दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-22 अंक-20 सीहोर, मंगलवार 04 मार्च 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

अयोध्या में राम मंदिर पर आतंकी हमले की साजिश.

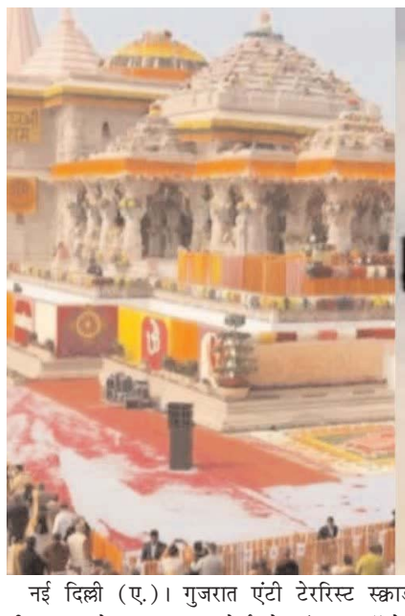

- फरीदाबाद से हैंड ग्रेनेड के साथ संदिग्ध गिरफ्तार, आईएसआई से ली थी ट्रेनिंग

नई दिल्ली (ए.)। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वाड और फरीदाबाद स्पेशल टास्क फोर्स ने संयुक्त ऑपरेशन में आतंकी कनेक्शन के संदेह में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अब्दुल रहमान (19) पुत्र अबूबकर के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के फैजाबाद (अयोध्या) का निवासी है। संदिग्ध को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया, जहां वह आतंकी साजिश को अंजाम देने की तैयारी में था। उसके पास से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए, जिन्हें सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत निष्क्रिय करा दिया।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार संदिग्ध अब्दुल रहमान पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में था और उसे अयोध्या के राम मंदिर पर आतंकी हमले के लिए तैयार किया गया था। जांच में खुलासा हुआ है कि रहमान कई कट्टरपंथी जमातों से जुड़ा हुआ था और फैजाबाद में एक मटन शॉप चलाता था।

सुरक्षा एजेंसियों को मिली जानकारी के अनुसार, राममंदिर निर्माण के बाद पाकिस्तान आईएसआई ने भारत में बड़ी आतंकी साजिश रचने की योजना बनाई थी, जिसमें अयोध्या स्थित राम मंदिर को निशाना बनाने का प्लान था।जांच में यह भी सामने आया है कि अब्दुल रहमान पहले भी कई बार अयोध्या के राम मंदिर की रेकी कर चुका था और उसने वहां की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी आईएसआई को साझा की थी। आतंकियों का मकसद राम मंदिर पर हैंड ग्रेनेड से हमला कर बड़े पैमाने पर तबाही मचाना था। इस ऑपरेशन को अंजाम देने में गुजरात एटीएस की भूमिका बेहद अहम रही। एटीएस को इनपुट मिला था कि एक संदिग्ध आतंकी भारत में सक्रिय है, जो आतंकी संगठन के निर्देश पर किसी बड़े हमले की तैयारी में जुटा हुआ है। इस जानकारी के आधार पर गुजरात एटीएस और फरीदाबाद एसटीएफ ने जाल बिछाया और संदिग्ध को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में हो रहे अहम खुलासे

अब्दुल रहमान से फिलहाल हरियाणा पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां गहन पूछताछ कर रही हैं। उसके मोबाइल और अन्य बरामद सामग्रियों की जांच की जा रही है ताकि उसके बाकी नेटवर्क का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियां अब यह भी खंगाल रही हैं कि इस साजिश में और कौन-कौन लोग शामिल थे और क्या कोई स्थानीय मददगार भी इसमें शामिल था।सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार, अब्दुल रहमान आईएसआई के इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस मॉड्यूल से जुड़ा हुआ था। माना जा रहा है कि इस मॉड्यूल में अब्दुल के अलावा और लोग भी शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। सेंट्रल एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि अब्दुल रहमान के पास से जो हैंड ग्रेनेड बरामद हुआ है, उसमें किसी कंपनी या देश का मार्का नहीं लगा हुआ था। इससे आशंका जताई जा रही है कि यह हथियार स्मगलिंग के जरिए अब्दुल तक पहुंचाया गया था। इसकी गहन जांच की जा रही है कि यह ग्रेनेड कहां से आया और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के गिर सोमनाथ में गिर राष्ट्रीय उद्यान में लायन सफारी का आनंद लेते हुए.

कुबेरश्वर धाम में 3 श्रद्धालुओं की मौत: 3 दिन में एमपी गुजरात और UP के भक्तों ने तोड़ा दम

सीहोर(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के कुबरेश्वर धाम में आज सोमवार प्रदीप मिश्रा की कथा के दौरान एक श्रद्धालु की मौत हो गई। मृतक महिला गुजरात की रहने वाली थी। तीन दिनों के भीतर यह तीसरी घटना है। इससे पहले मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के श्रद्धालु दम तोड़ चुके हैं। बता दें कि आज कथा का अंतिम दिन है। जिसकी वजह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है।दअसल, आज सोमवार सुबह गुजरात निवासी एक महिला अचेत हालत में मिली, जिसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला का नाम 55 वर्षीय मंजू बताया जा रहा है। हालांकि मृतिका यहां किसके साथ आई थी, इस बात की जानकारी नहीं लग सकी है। उसका कोई परिचित भी नहीं मिला है। सुबह 6 बजे अस्पताल प्रबंधन ने इसकी सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी। बता दें कि इससे पहले शनिवार और रविवार को भी दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि कथा सुनने के दौरान कल (शनिवार) अचानक भीड़ बढ़ गई।

सौरभ शर्मा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

भोपाल (आरएनएस)। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से भोपाल की कोर्ट में पेश किया है। कोर्ट ने उसे फिर 14 दिन की

न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले ईडी ने सौरभ को 17 फरवरी को कोर्ट में पेश किया था। तब भी 3 मार्च तक न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए गए थे।

सौरभ से ईडी और लोकायुक्त के बाद आयकर विभाग के अफसरों ने पूछताछ की है। एक सप्ताह में आईटी की टीम ने 6 बार सौरभ और उसके सहयोगी शरद और चेतन से पूछताछ की है। जेल सूत्रों की माने तो सौरभ लगातार आयकर विभाग की टीम को गुमराह करता रहा।सोमवार से शनिवार के बीच आईटी की टीम ने लगातार 6 दिनों तक तीनों आरोपियों से पूछताछ की। लेकिन कैश और सोने से भरी कार से तीनों ने किसी भी तरह का लेना देना होने से साफ इनकार किया है। इससे पहले, लोकायुक्त और ईडी की टीम ने भी उनसे पूछताछ की, इन दोनों एजेंसियों को भी इन सवालों का जवाब नहीं मिला है।आयकर विभाग के आवेदन पर 13 फरवरी को न्यायाधीश आरपी मिश्रा की कोर्ट में सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने अफसरों से पूछा था कि सौरभ से पूछताछ करने कौन-कौन जाएगा?

जीरो टॉलरेंस नीति से प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में आई गिरावट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बाल अपराधों को रोकने में बाल अधिकार संरक्षण आयोग की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुख्यमंत्री ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम, पोक्सो एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में गिरावट आई है। यह स्पष्ट रूप से राज्य सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का परिणाम है। हम सुरक्षा, सशक्तिकरण और न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सुदृढ़ कर रहे हैं, जिससे अपराधों पर अंकुश लगा है। पिछले वर्षों में महिला एवं बाल अपराधों के प्रति सरकार की सख्ती स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के विरूद्ध गंभीर अपराधों के दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। न्यायालयों द्वारा 48 प्रकरणों में मृत्युदंड के निर्णय दिए जा चुके हैं। सरकार और समाज मिलकर महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अत्याचारों के प्रति जागृति लाएं। इस कार्य में बाल संरक्षण आयोग की भूमिका भी अहम है। सरकार आयोग के सुझावों को अमल में लाने के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में यह बातें कही। कार्यशाला में प्रदेश के सभी जिलों से विभिन्न विभागों के अधिकारी, बाल कल्याण समिति के सदस्य समेत अन्य सदस्यों ने नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम-2009, पॉक्सो अधिनियम-2012 तथा किशोर न्याय अधिनियम-2015 जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया, सदस्य बाल संरक्षण आयोग श्रीमती मेघा पवार और डॉ. निवेदिता शर्मा, डॉ. निशा सक्सेना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश, स्वर्णिम काल में प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्व में भारत की ख्याति फैल रही है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में प्रत्येकव्यक्ति निरंतर समर्थ हो रहा है।

एक और नाबालिग बनी दरिंदगी का शिकार:

मुंह दबाकर खेत में ले गया आरोपी, जान से मारने की धमकी देकर बनाया हवस का शिकार

जबलपुर(आरएनएस)। मध्य प्रदेश की संस्कारधानी से एक बार फिर शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक नाबालिग दरिंदगी का शिकार हो गई। आरोपी अपनी हवस मिटाने के लिए उसका मुंह दबाकर खेत में ले गया और जान से मारने की धमकी देते हुए वारदात को अंजाम दिया। दुष्कर्म के बाद आरोपी मौके से भाग गया था। हालांकि पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है।

यह पूरा मामला पाटन थाना क्षेत्र का है। पाटन थाना इलाके के ही रहने वाले गोल चढ़ार नाम के आरोपी ने नाबालिग के साथ दरिंदगी की। बताया जा रहा है कि गोलू नाबालिग का मुंह दबाकर खेत में ले गया और जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

परिजनों और नाबालिग की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। बताया गया कि आरोपी नाबालिग के घर के पास ही छुपकर बैठा था। सूचना मिलते ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। एडिशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि नाबालिग ने दुष्कर्म की शिकायत की थी। गांव के ही रहने वाले गोलू चढ़ार ने रेप की वारदात को अंजाम दिया था।

एडिशनल एसपी ने बताया कि नाबालिग के घर के पीछे का दरवाजा खुला था, जिसे वह बंद करने गई थी। इस दौरान आरोपी गोलू आया और उसे अपने साथ जंगल में ले गया। जहां दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया और फिर मौके से फरार हो गया था। फिलहाल आरोपी को पकड़ लिया गया है। इस पूरे मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

नए वेदर सिस्टम का असर, आज कई जिलों में मेघगर्जन बिजली और बारिश का अलर्ट, मंगलवार से फिर बदलेगा मौसम

भोपाल(आरएनएस)। नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आज सोमवार को प्रदेश के उत्तरी भागों में बादल छाने के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके बाद अगले 3-4 दिन अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है।

7 मार्च से तापमान में फिर इजाफा होगा।

शनिवार को हुई बारिश ओलावृष्टि के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिला कलेक्टरोंसे फसलों के नुकसान का विस्तृत ब्योरा मांगा। साथ ही राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को निर्देश दिए कि प्रभावित जिलों में तत्काल सर्वे कराकर फसल नुकसान का आंकलन किया जाए। उन्होंने सीकर, चूरू, बीकानेर, झुंझुनू और खैरथल-तिजारा के कलेक्टरों को जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए।

आज कहां कहां होगी बादल बारिश

मौसम केंद्र जयपुर की रिपोर्ट के मुताबिक आज 3 मार्च को गंगानगर, हनुमानगढ़ व आसपास के क्षेत्र में मेघगर्जन, हल्की बारिश तथा अधिकांश भागों में आगामी 1 सप्ताह मौसम शुष्क रहेगा।3-4 दिन तक दिन रात के तापमान में उतार चढ़ाव का दौर जारी रहेगा। रविवार को पूर्वी राजस्थान में मौसम मुख्यत शुष्क रहा तथा पश्चिमी राजस्थान में कही कही पर बूंदा-बांदी हुई।सर्वाधिक अधिकतम तापमान भीलवाडा में 34.3 सेल्सियस तो न्यूनतम तापमान सांगरिया (KVK) में 10.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया । मंगलवार से दिखेगा मौसम में बड़ा बदलाव 4 मार्च से उत्तरी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम व अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री गिरावट होगी। 4-5 मार्च को बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र में कहीं-कहीं न्यूनतम तापमान 8-10 डिग्री तथा अधिकतम तापमान 22-24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 7 मार्च से न्यूनतम और अधिकतम तापमान में फिर से बढ़ोतरी होगी, जो सामान्य से 1-2 डिग्री अधिक दर्ज होने की संभावना है।

महाकाल मंदिर उज्जैन: भस्म आरती की अनुमति के नाम पर फिर ठगी, प्रशासन की तत्परता से लौटी राशि

उज्जैन (आरएनएस)। महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती की अनुमति दिलाने के नाम पर चार महिला श्रद्धालुओं से 8,500 रुपये ठगे जाने का मामला सामने आया है। हालांकि, मंदिर प्रशासन की सतर्कता और त्वरित हस्तक्षेप से ठग को पूरे पैसे लौटाने पड़े। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है। पुणे से चार महिलाएं—रेशमा धनंजय जगताप, ऋतुजा बालू मुंढे, विद्या तुषार भूमकर और पायगुडे मोनिका सुनील—रविवार दोपहर करीब 2:30 बजे महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं। दर्शन करने के बाद वे सोमवार तड़के होने वाली भस्म आरती में शामिल होना चाहती थीं। इसी दौरान, मंदिर प्रबंध समिति के सदस्य राजेंद्र शर्मा गुरुजी मंदिर आए, तो महिलाओं ने उनसे अनुमति के लिए अनुरोध किया। गुरुजी ने स्पष्ट किया कि वे केवल प्रयास कर सकते हैं और महिलाओं से आधार कार्ड व मोबाइल नंबर लेकर उन्हें मंदिर की आधिकारिक प्रक्रिया के बारे में बताया।

पूर्व विधायक के बेटे ने जहर खाकर किया आत्महत्या का प्रयास: चार पेज के सुसाइड नोट में पत्नी की प्रताड़ना का जिक्र, लिखा- कभी शादी मत करना

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के देवास जिले के बीजेपी के पूर्व विधायक के बेटे ने जहर खाकर सुसाइड की कोशिश की है। उसे इंदौर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। उसके पास से चार पेज का सुसाइड नोट मिला है जिसमें पत्नी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है, साथ ही लिखा है कि कभी शादी मत करना।

-मामला कोर्ट में भी पहुंचा

पूर्व विधायक सुरेंद्र वर्मा के मुताबिक बेटे प्रमोद की शादी को 15 साल हो चुके हैं। शादी के एक साल बाद से ही पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया था। पूर्व विधायक के अनुसार पत्नी ने दो बार महिला थाने में परिवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। मामला कोर्ट में भी पहुंचा, लेकिन समाज के लोगों की मध्यस्थता से दोनों में समझौता हो गया था। इसके बाद पत्नी प्रमोद पर इंदौर में रहने का दबाव बना रही थी। विवाद को देखते हुए पूर्व विधायक ने इंदौर में मृदुल विहार में एक मकान खरीदकर दोनों को रहने के लिए दिया था। वहां भी विवाद जारी रहा। शुक्रवार रात को भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ। इसके बाद प्रमोद ने कीटनाशक खा लिया।

-लिखा- बेटी बचाना-पढ़ाना बंद करो

चार पेज के सुसाइड नोट में प्रमोद ने पत्नी, सास व दो सालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पत्नी के महिला थाने में पूर्व में की गई शिकायत का भी जिक्र है। नोट के अंतिम पेज पर उसने पिता और मां से माफी मांगते हुए लिखा है कि मुझे माफ कर देना. मैं एक अच्छा बेटा, भाई व अच्छा पिता नहीं बन पाया। कभी शादी मत करना. यह जरूरी है। अपना आत्मसम्मान और स्वाभिमान बचाने के लिए लड़ना पड़ेगा। मैं एक अच्छे परिवार से हूं। मेरे पिताजी विधायक रह चुके हैं। उन्होंने अपना जीवन सादगी और ईमानदारी से जिया। कभी भी अपने पद का दुरुपयोग नहीं किया। हमारा संयुक्त परिवार है, हमारे परिवार ने कभी जाने अंजाने में कभी किसी से दुश्मनी नहीं रखी।

जनजातीय समुदायों की संस्कृति और पूजा पद्धतियों के संरक्षण के लिए जनजातीय देवलोक करेंगे विकसित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जनजातियों की संस्कृति के संरक्षण और पूजा व त्यौहार आदि की विशेष व्यवस्था के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

चार मार्च को मुख्यमंत्री निवास में होगा जनजातीय देवलोक महोत्सव

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातियों की संस्कृति के संरक्षण और उनके त्यौहार तथा पूजा आदि की विशेष व्यवस्था के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। पश्चिमी मध्यप्रदेश में शीघ्र ही भगोरिया की शुरूआत हो रही है। मुख्यमंत्री निवास में भी मंगलवार 4 मार्च को जनजातीय देवलोक महोत्सव आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदायों की संस्कृति, पूजा पद्धतियों के संरक्षण के लिए प्रदेश में जनजातीय देवलोक विकसित किया जाएगा। जनजातीय समाज और उनकी परम्पराएं भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। इन परम्पराओं और उपासना पद्धतियों को जीवंत बनाए रखने तथा वर्तमान और आगामी पीढ़ियों को इनसे अवगत कराने के लिए शासकीय योजनाओं का लाभ लेते हुए, कार्य योजना का क्रियान्वयन आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में जनजातीय देवलोक स्थापना के लिए मंत्रालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह, मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 7 प्रमुख जनजातियां और इनकी उपजातियों सहित 43 जनजातीय समुदाय निवास करते हैं। जनजातियों ने प्रकृति, प्रतीक और प्रतिमा में अपने देवधारणाओं को स्थापित किया है और इनके माध्यम से वे अपनी आस्था और धारणाओं का प्रकटीकरण करते हैं। प्रदेश के अलग-अलग भौगालिक क्षेत्रों में निवासरत जनजातीय समुदायों के देवी-देवता और उनके प्रतीक भिन्न-भिन्न हैं। अत: राज्य के जनजातीय समुदायों की मान्यताओं, आस्था, प्रतीकों के देवलोक को एक स्थान पर लाने के लिए प्रयास करना आवश्यक है। इन प्रयासों में जनजातीय समुदायों के ओझा, पटेल, पुजारा, तड़वी, भुमका, पंडा, गुनिया आदि के विचारों को भी समाहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवलोक की स्थापना के लिए सभी जनजातियों के आवागमन की सुगमता को ध्यान में रखते हुए भूमि चिन्हित की जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव वन अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन शिवशेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग गुलशन बामरा, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार राम तिवारी तथा लक्ष्मण सिंह मरकाम उपस्थित थे।

कमिश्नरेट ने पहली बार दी ऐसी सजा, ड्यूटी से गायब हुई एसीपी तो छिन गई बड़ी जिम्मेदारी

भोपाल(आरएनएस)। राजधानी भोपाल में स्थित कमिश्नरेट में पहली पर किसी आला पुलिस अफसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। दरअसल, महाशिवरात्रि के दिन एसीपी अनीता प्रभा शर्मा को शहर से गुजरने वाली शोभा यात्राओं के लिए तैनात किया गया था, लेकिन एसीपी ड्यूटी पर तैनात नहीं हुईं, जिसके चलते उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। एसीपी के ड्यूटी से गैरहाजिर होने के चलते उनसे दो थानों का प्रभार वापस ले लिया गया है। बता दें कि, ये कार्रवाई डीसीपी जोन-3 रियाज इकबाल द्वारा की गई है बताया जा रहा है कि महाशिवरात्रि के दिन शहर के संवेदनशील इलाकों से शोभा यात्रा निकाली जा रही थी। जिस संवेदनशील इलाके से शोभा यात्रा निकाली जा रही थी, वहां सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जानी थी। इसी सतर्कता के मद्देनजर एसीपी अनीता प्रभा शर्मा ड्यूटी सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए मौके पर तैनात किया गया था, लेकिन किन्हीं कारणों के चलते एसीपी शर्मा उस दिन ड्यूटी से गैरहाजिर थी। ऐसे में ये जानकारी जैसे ही विभाग के आला अधिकारियों को लगी तो एसीपी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की गई। कार्रवाई के तहत डीसीपी जोन-3 रियाज इकबाल ने एसीपी अनीता प्रभा शर्मा से शहर के कोतवाली और तलैया थाने का प्रभार वापस ले लिया है। ऐसे में अब एसीपी शर्मा के पास सिर्फ श्यामला हिल्स थाने का प्रभार रह गया है। बता दें कि, कमिश्नरेट के दौरान इस तरह की सजा किसी अधिकारी को पहली बार दी गई है। यानी ऐसा पहली बार है, जब किसी अफसर से थाने का प्रभार ही वापस लिया गया हो। बता दें कि, एसीपी अनीता प्रभा शर्मा के पास शहर के कोतवाली थाना, तलैया थाना और श्यामला हिल्स थाने की जिम्मेदारी थी। लेकिन अब उनके पास सिर्फ एक थाने का प्रभार रह गया है। वहीं, दूसरी तरफ कोतवाली थाने का प्रभार शाहजहानाबाद एसीपी निहित उपाध्याय को दिया गया है, जबकि तलैया थाने का प्रभार हनुमानगंज एसीपी राकेश बघेल को दिया गया है।

महाप्रबंधक ने भोपाल मंडल के कार्यो की समीक्षा एवं भोपाल-इटारसी रेलखंड का संरक्षा निरीक्षण

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने सोमवार 03 मार्च 2025 को मंडल कार्यालय भोपाल में मंडल के कार्यो की समीक्षा बैठक की। महाप्रबंधक ने मंडल में चल रहे प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। तत्पश्चात भोपाल-इटारसी रेलखंड का संरक्षा निरीक्षण किया। बैठक के दौरान मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी, अपर मंडल रेल प्रबंधक, मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया सहित मंडल के शाखा अधिकारी उपस्थित रहे।

अमृत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों की ली जानकारी

महाप्रबंधक ने अमृत स्टेशन योजना के तहत भोपाल मंडल में चल रहे पुनर्विकास स्टेशनों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए ताकि यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं जल्द मिल सके और रेलवे राजस्व में भी बढ़ोतरी हो सके।

भोपाल-रामगंजमंडी नई रेल लाइन प्रोजेक्ट

महाप्रबंधक ने भोपाल-रामगंजमंडी नई रेल लाइन परियोजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्रीय विकास और यात्रियों की सुविधा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस रेललाइन से माल परिवहन की क्षमता भी बढ़ेगी, जिससे व्यापार और औद्योगिक क्षेत्रों को लाभ मिलेगा।

रेलवे के विकास कार्यों को गति देने के निर्देश

बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने कहा कि रेलवे यात्रियों की सुविधाओं और माल परिवहन में सुधार लाने के लिए विभिन्न विकास परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि यात्री और मालभाड़ा सुविधाओं में सुधार के लिए सतत प्रयासरत रहना चाहिए। संरक्षा, सुरक्षा और यात्री सुविधा हमारी प्राथमिकता है।

भोपाल-इटारसी रेलखंड का किया संरक्षा निरीक्षण

महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने भोपाल से इटारसी रेलखंड का संरक्षा निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टेशनों, सिग्नल प्रणाली, ट्रैक की स्थिति और सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रैकों एवं पुलों का रखरखाव नियमित रूप से सुनिश्चित किया जाए, जिससे ट्रेनों की गति और सुरक्षा में सुधार हो।

भोपाल मंडल में यात्री सुविधाओं को उन्नत करने के लिए कई योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। मंडल में स्टेशन पुनर्विकास, डिजिटल यात्री सुविधाएं और संरक्षा से जुड़े विभिन्न कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

निगम अमले ने 101 प्रकरणों में 12 हजार रुपये का स्पॉट फाईन वसूला

भोपाल (आरएनएस)। नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता व वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम के दलों ने 101 प्रकरणों में 12 हजार रूपये स्पॉट फाईन के रूप में वसूल किए। निगम प्रशासन ने भवन निर्माताओं से अपील की है कि वह भवन निर्माण के समय ग्रीन नेट का पूरी तरह उपयोग करें और शहर के वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु सहयोग करें अन्यथा निगम प्रशासन द्वारा निरंतर सख्त कार्यवाही की जायेगी। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देष पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने रविवार को जोन क्षेत्रों में सीएंडडी वेस्ट व भवन निर्माण सामग्री सड़कों, सार्वजनिक स्थलों पर फैलाने वालों तथा निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नेट न लगाने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत कार्यवाही की। निगम अमले ने सड़कों पर कचरा, गंदगी फैलाने, दो डस्टबिन न रखने, कचरा पृथक-पृथक न रखने, खुले स्थानों पर मूत्र विसर्जित करने, प्रतिबंधित पालीथीन का उपयोग करने एवं सम्पत्ति विरूपण करने सहित अन्य प्रकार से साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने व शहर की सुंदरता को बिगाडने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की और सभी प्रकार के प्रकरणों में स्पॉट फाईन/जुर्माने की राषि वसूल की।

नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन के अंतर्गत मध्यप्रदेश के प्रस्ताव को स्वीकृति

1.23 करोड़ की मंजूरी, महिला उद्यमिता मंच बनेगा

भोपाल (आरएनएस)। आयुक्त, आर्थिक सांख्यिकी ऋषि गर्ग ने बताया कि भारत सरकार ने नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन अंतर्गत मध्यप्रदेश सरकार के प्रस्ताव को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए रुपये 1.23 करोड़ रूपए की मंजूरी दे दी है। यह स्वीकृति राज्य में उद्यमिता, डेटा-संचालित शासन, आर्थिक वृद्धि, जलवायु अनुकूलन और प्रभाव मूल्यांकन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग और नीति आयोग के बीच विस्तृत विचार-विमर्श और सहयोग के बाद लिया गया। इससे राज्य के विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत @2047 के सपने को साकार करने की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ हुई है। आयुक्त श्री गर्ग ने बताया कि इस स्वीकृति के 3 प्रमुख स्तंभ हैं, जिनमें महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी-एमपी) नीति सुधारों, रणनीतिक साझेदारियों और एक समर्पित डिजिटल प्लेटफार्म को बढ़ावा देकर महिला नेतृत्व वाले उद्यम विकास में तेजी आयेगी।

तेज रफ्तार डंपर ने युवको को मारी टक्कर, एक की मौत

भोपाल (ए.)। छोला मदिंर थाना इलाके में दो पहिया वाहन सवार युवकों को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। डंपर की टक्कर लगने से दोनों युवक वाहन उसे उछलकर डिवाइडर पर जा गिरे। घटना में वाहन चला रहे युवक की मौत हो गई जबकि उसका दोस्त घायल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर डंपर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि 20 वर्षीय राम श्रीवास पिता राकेश श्रीवास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राइवेट काम करता था। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित गरीब नगर बस्ती में रहते हुए वह हबीबगंज स्थित सांची डेयरी में नौकरी करता था। बीती रात उसके दोस्त की रिश्ते की बहन की शादी थी। जिसमें शामिल होने के लिए वह दोस्त अमन साहू के साथ चौपड़ा इलाके में गया था। शादी से निकलने के बाद वे घर जाने के बजाए नादिरा बस स्टैंड पहुंचे। वहां चाय पीने के बाद वापस घर के लिए निकले। रात करीब तीन बजे जैसै ही स्वागत शादी हॉल के सामने पहुचें तभी गलत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। स्कूटी के अगले हिस्से में टक्कर लगते ही दोनों उछलकर डिवाइडर पर जा जा गिरे। टक्कर मारने के बाद चालक वाहन सहित मौके से भाग गया। सूचना मिलने पर एंबुलेंस की मदद से दोनों को इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। वहॉं डॉक्टरों ने रामश्रीवास को मृत घोषित कर दिया। वहीं पीछे बैठे पीयुष को गंभीर चोटें आई हैं,उसका उपचार जारी है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जॉच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से टक्कर मारने वाले डंपर की जानकारी जुटा रही है।

01661/01662 रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति होली विशेष ट्रेन 02-02 ट्रिप

भोपाल मंडल के नर्मदापुरम एवं इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा होली पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 01661/01662 रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति होली विशेष ट्रेन (02-02 ट्रिप) चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के नर्मदापुरम एवं इटारसी स्टेशनों पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति-दानापुर होली विशेष ट्रेन (02 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति-दानापुर होली विशेष ट्रेन दिनांक 12 मार्च 2025 एवं 15 मार्च 2025 को रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 14.25 बजे प्रस्थान कर, 15.25 बजे नर्मदापुरम, 15.55 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन सुबह 08.45 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 01662 दानापुर-रानी कमलापति होली विशेष ट्रेन (02 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 01662 दानापुर-रानी कमलापति होली विशेष ट्रेन दिनांक 13 मार्च 2025 एवं 16 मार्च 2025 को सुबह 11.45 बजे दानापुर स्टेशन से प्रस्थान कर, अगले दिन सुबह 07.30 बजे इटारसी, 08.03 बजे नर्मदापुरम एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए सुबह 09.50 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच संरचना

इस विशेष ट्रेन में 05 शयनयान श्रेणी, 02 सामान्य श्रेणी, 04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी एवं 07 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी (इकोनॉमी) के डिब्बे सहित कुल 22 डिब्बे होंगे। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें। उक्त विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

बीमारी से परेशान एमबीए छात्रा फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल (ए)। कोलार थाना इलाके में एक एमबीए छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हादसे मे समय छात्रा घर पर अकेली थी। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिसके कारण फिलहाल खुदकुशी का सही कारण साफ नहीं हो सका है। हालांकि शुरुआती जॉच में छात्रा के मानसिक बीमारी से पीड़ित होने के कारण डिप्रेशन में रहने की बात सामने आई है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार स्वागत ड्रीमलैंड कॉलोनी में रहने वाले वाले उत्तम शुक्ला खुद का व्यवसाय करते हैं, उनकी पत्नी घरेलू महिला हैं। उनके दो बच्चों में एक बेटा और एक बेटी है। बेटी वैष्णवी शुक्ला (22) एक निजी कॉलेज से एमबीए की पढ़ाई कर रही थी। बीती शाम करीब 6 बजे छात्रा के माता-पिता घरेलू का सामान लेने के लिये मार्केट गये हुए थे, वहीं भाई भी किसी काम के चलते घर पर नहीं था। रात करीब 8 बजे परिजन वापस लौट कर आए तो उन्हें घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी आवाजे देने और खटखटाने पर भी जब दरवाजा नहीं खुला तब पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खोला गया।

बीटेक की छात्रा के साथ दुष्कर्म

भोपाल (आरएनएस)। अयोध्या नगर इलाके में बीटेक चौथे वर्ष की छात्रा के साथ दुष्कर्म और मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपी छात्रा का सीनियर है, जिसने पहले उसे असाइनमेंट में मदद का भरोसा दिलाया और फिर उसके साथ गलत काम किया। थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि, आरोपी ने छात्रा को प्रेम जाल में फंसाकर उसके साथ एक किराये के कमरे में रहना शुरू किया। हालांकि, कुछ समय बाद उसका असली चेहरा सामने आ गया। उसने न केवल छात्रा के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी, बल्कि उसकी पॉकेट मनी भी छीनने लगा। छात्रा ने आरोपी को कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना।

पातालकोट एक्सप्रेस के नंबर में परिवर्तन सहित गाड़ी के समय में तेजी

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, 01 मार्च 2025 से ट्रेन संख्या 14623/14624 पातालकोट एक्सप्रेस के नंबरों में परिवर्तन किया गया है। अब ट्रेन संख्या 14623 (सिवनी - फिरोजपुर एक्सप्रेस) का नया नंबर 20423 हो गया है, और ट्रेन संख्या 14624 (फिरोजपुर - सिवनी एक्सप्रेस) का नया नंबर 20424 हो गया है। इसके अतिरिक्त, गाड़ी की गति भी बढ़ा दी गई है जिससे अब यह सुपरफास्ट एक्सप्रेस बन गयी है , जिससे यात्रियों को तेज और सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिला है।

गाड़ी संख्या 20424 फिरोजपुर - सिवनी सुपरफास्ट एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 20424 फिरोजपुर - सिवनी सुपरफास्ट एक्सप्रेस 01 मार्च 2025 से फिरोजपुर कैंट स्टेशन से सुबह 04.10 बजे प्रस्थान कर, शाम 19.55 बजे बीना जंक्शन, 20.31 बजे गंजबासोदा, 20.58 बजे विदिशा, 21.50 बजे भोपाल जंक्शन, 22.08 बजे रानी कमलापति, 23.06 बजे नर्मदापुरम, 23.45 बजे इटारसी जंक्शन एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन सुबह 06.20 बजे सिवनी स्टेशन पहुंच चुकी है। इस बदलाव से कुल यात्रा समय 55 मिनट कम हो गया है।

गाड़ी संख्या 20423 सिवनी - फिरोजपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 20423 सिवनी - फिरोजपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 01 मार्च 2025 से सुबह 08.20 बजे सिवनी स्टेशन से प्रस्थान कर, दोपहर 14.35 बजे इटारसी जंक्शन, 15.03 बजे नर्मदापुरम, 16.18 बजे रानी कमलापति, 16.35 बजे भोपाल जंक्शन, 17.26 बजे विदिशा, 17.55 बजे गंजबासोदा, 19.05 बजे बीना जंक्शन एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन सुबह 11.25 बजे फिरोजपुर कैंट पहुंच चुकी है। इस बदलाव से कुल यात्रा समय 35 मिनट कम हो गया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि इस बदलाव से यात्रियों को अधिक सुविधा और कम समय में यात्रा करने का लाभ मिला है। रेलवे प्रशासन यात्रियों को बेहतर सेवाएं देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं में स्वास्थ्य जागरुकता के लिए विशेष वॉकथॉन का होगा आयोजन

वॉक फॉर हेल्थ, वॉक फ़ॉर अवेयरनेस

भोपाल (ए.)। स्टेट नोडल प्रिवेंटिव गायनेकोलॉजी, ऑन्कोलॉजी एवं इनफर्टिलिटी और सेंटर प्रभारी, काटजू अस्पताल, भोपाल डॉ. रचना दुबे ने बताया कि महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने और उन्हें निवारक चिकित्सा एवं प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से डॉ. कैलाशनाथ काटजू शासकीय महिला अस्पताल, भोपाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वॉक फॉर हेल्थ, वॉक फ़ॉर अवेयरनेस थीम पर विशेष वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक सचेत बनाने के साथ-साथ कैलाशनाथ कटजू सिविल अस्पताल में नव स्थापित स्टेट ऑफ़ आर्ट प्रिवेंटिव गायनेकोलॉजी और इनफर्टिलिटी सेंटर की सेवाओं के प्रति जागरूक कराने के लिए किया जा रहा है। डॉ. रचना दुबे ने बताया कि वॉकथॉन का आयोजन 8 मार्च 2025 को सुबह 7 बजे अटल पथ (स्मार्ट सिटी प्लैटिनम प्लाजा के समीप) से किया जाएगा। प्रतिभागियों के लिए नि:शुल्क पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है, जो प्रात: 6:30 बजे से 7:00 बजे तक किया जाएगा। वॉकथॉन में भाग लेने के लिए कोई विशेष पोशाक अनिवार्य नहीं है, प्रतिभागियों को आरामदायक परिधान और जूते/स्नीकर्स पहनकर आना होगा। कार्यक्रम में महिलाओं को गायनेकोलॉजी, इनफर्टिलिटी और कैंसर निवारण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। साथ ही नव स्थापित स्टेट-ऑफ-द-आर्ट प्रिवेंटिव गायनेकोलॉजी और इनफर्टिलिटी सेंटर की सेवाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से साउथ कोरिया के ईसीडीएस ग्रुप के निवेशकों और शोधकर्ताओं ने मंत्रालय में भेंट की।

भाजपा सरकार ने किसानों से किया धोखा, चुनाव में किये वादे से मुकर गई भाजपाः जीतू पटवारी

-खाद, बीज, बिजली की किल्लत से किसान परेशानियों से जूझ रहा है

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आज मीडिया से चर्चा करते हुये भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। श्री पटवारी ने कहा कि चुनाव में किसानों से गेहूं, धान, सोयाबीन के 2700, 3100 और 6000 दाम, 450 का गैस सिलेण्डर के दाम, महिलाओं को 3000 रूपये देने, युवाओं रोजगार जैसे मुद्दों पर सत्ताा में काबिज हुई भाजपा सरकार ने किसानों, महिलाओं और युवाओं के साथ छल किया। श्री पटवारी ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी सरकार द्वारा जनता से किए गए चुनावी वादों को पूरा न करने पर सवाल उठाते हुये कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले किसानों, महिलाओं और युवाओं से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन अब सत्ता में आने के बाद इन वादों को पूरा करने से पीछे हट रही है।

श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा ने किसानों के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि शिवराज सरकार ने चुनाव के समय किसानों से वादा किया था कि उन्हें गेहूं का भाव 2700 और धान का 3100 मिलेगा, लेकिन अब इन वादों पर सरकार चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने मांग की कि किसानों को 3500 प्रति क्विंटल गेहूं का समर्थन मूल्य दिया जाए, क्योंकि खाद, बीज, डीजल, बिजली और मजदूरी सभी महंगे हो चुके हैं। यदि किसानों को उनका हक नहीं दिया गया, तो कांग्रेस पार्टी सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन का ऐलान करेगी। श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा ने महिलाओं और युवाओं से किया धोखा। भाजपा ने महिलाओं को 450 का गैस सिलेंडर और 3000 प्रतिमाह देने का वादा किया था, भाजपा अपने वादे से मुकर गई है। युवाओं को 2.5 लाख सरकारी नौकरियों का वादा किया गया था, लेकिन रोजगार की स्थिति पहले से भी बदतर हो गई है। श्री पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश की आर्थिक स्थिति चिंताजनक है। मध्य प्रदेश आज देश का सबसे बड़ा कर्जदार राज्य बन चुका है।

घट्टिया पुलिस ने निकाला गोवंश के हत्यारों का जुलूस, आरोपी बोले-गाय हमारी माता है पुलिस हमारी बाप

उज्जैन (ए.)। थाना घट्टिया पुलिस ने गौवंश वध की तैयारी कर रहे दो आरोपियों का नगर में जुलूस निकाला। इस दौरान आरोपी यह कहते नजर आए, "गाय हमारी माता है, पुलिस हमारा बाप है।"

गौवंश वध की तैयारी कर रहे थे आरोपी

थाना प्रभारी डी.एल. दसोरिया ने बताया कि 16-17 फरवरी 2025 की मध्यरात्रि, थाना क्षेत्र के ग्राम जैथल टेक चौराहे के पास खाली प्लॉट में आरोपी सलीम उर्फ मिठिया, आकिब उर्फ अक्कू और शेरू मेवाती लोहे के बक्के और छूरों से एक गाय और एक केड़े का वध करने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों के आ जाने से आरोपी बलेनो कार (MP 09 ZQ 2385) से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरुप्रसाद पाराशर और उप पुलिस अधीक्षक भारतसिंह यादव के निर्देश पर टीम गठित की गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 68/2025 धारा 4, 6, 9 गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम और 11(घ) पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

महाकाल मंदिर में सजी शिव बारात की रंगोली ने श्रद्धालुओं का मनमोहा, देशभर से मिली सराहना

उज्जैन (ए.)। महाशिवरात्रि पर श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के विद्यार्थियों ने अनवरत 72 घंटे शिव बारात की रंगोली बनाकर किए गए अद्भुत प्रदर्शन को देशभर में सराहा गया। इस पूरे कला प्रदर्शन में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने अथक मेहनत करके विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई इस प्रदर्शनी के लिए लगातार प्रेरित किया जाता रहा। इस प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यार्थियों की प्रशंसा की है।

महाकाल मंदिर में सजी शिव बारात की रंगोली ने श्रद्धालुओं का मनमोहा, देशभर मे सराहा गया

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के विद्यार्थियों का यह पहला प्रयास नहीं है, बल्कि विगत दो वर्षों में इन्होंने देश के विभिन्न प्रमुख आयोजन पर अपना ये प्रदर्शन किया है, जिसमें राम मंदिर के शुभारंभ पर जो रांगोली बनाई गई थी। उसकी भी देशभर में सराहना हुई थी।

इंदौर के खजराना क्षेत्र में पांच हजार वर्गफीट पर तान दिया था अवैध बंगला, निगम ने किया जमींदोज

इंदौर (ए.)। शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ नगर निगम ने मुहिम छेड़ रखी है। इसके अंतर्गत खजराना क्षेत्र में पांच हजार वर्गफीट क्षेत्रफल में बना अवैध बंगला सोमवार को तोड़ दिया गया। इस बंगले के निर्माण के लिए न नक्शा मंजूर किया गया था और न ही निगम जोन पर सूचना दी गई थी। दो माह पहले इसे हटाने के लिए नोटिस जारी किया था, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने न तो निर्माण हटाया और न ही निर्माण को रोका।

इसके बाद नगर निगम की टीम ने सोमवार को मौके पर पहुंच कर भवन मालिक को मकान खाली करने के लिए कहा, लेकिन निर्माणकर्ता ने विरोध शुरू कर दिया, लेकिन पुलिस बल मौजूद होने के कारण मकान तोड़ने का काम नहीं रुका। अफसरों ने दो घंटे में मकान के अवैध हिस्से को तोड़ दिया। अब अफसर अवैध निर्माण करने वाले से तोड़ने का शुल्क भी वसूलेंगे।

सड़क के लिए भी हटेंगे निर्माण

नगर निगम खजराना क्षेत्र में स्टार चौराहा से खजराना तक सड़क भी चौड़ी कर रहा है। इसका भूमिपूजन पिछले दिनों मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने किया

रेत माफिया का आतंक, पुलिस की लाठियां खाता रहा लेकिन बंद नहीं किया ट्रैक्टर, हो गया फरार

मुरैना (ए.)। एक बार फिर मध्य प्रदेश के चंबल में रेत माफिया का बेखौफ और हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है...जिले में रेत के अवैध खनन को लेकर पुलिस और माफिया के बीच एक बार फिर टकराव देखने को मिला है। चंबल के मुरैना से होते हुए राजस्थान की सीमा में प्रवेश करने वाले इन माफिया का सामना राजस्थान पुलिस सी हुआ है नेशनल हाइवे 44 पर सागरपाड़ा चौकी के सामने पुलिसकर्मियों ने जब अवैध रेत से भरे एक ट्रैक्टर को रोकने की कोशिश की, तो माफिया ने वहां से भागने की कोशिश करता रहा और पुलिस उसमें लाठी बरसती रही.. उसके बाद माफिया को मौके से भागने में सफलता हासिल हो गई।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में अवैध रेत खनन, ट्रैक्टर ट्रॉली को रेंजर ने पकड़ा

उमरिया (ए.)। मानपुर विधानसभा मुख्यालय स्थित विश्व विख्यात बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व नेशनल पार्क अंतर्गत मानपुर बफर जोन के दरैया नाला में अवैध तरीके से रेत निकासी कर रहे एक ट्रैक्टर ट्रॉली को मानपुर रेंजर ने जब्त किया। मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि मानपुर बफर अंतर्गत मानपुर बीट के कक्ष क्रमांक पीएफ 348 में ट्रैक्टर ट्रॉली के माध्यम से क्षेत्र के कुछ अपराधी प्रवृत्ति के अवैध रेत कारोबारियों द्वारा अवैध तरीके से रेत निकासी की जा रही है।

घर के सामने से निकल रही बरात रोकने डंडा लेकर खड़ा हो गया युवक, समझाने पहुंची पुलिस पर किया हमला

शहडोल (ए.)। शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के खुटहरा गांव में एक अनोखा मामला सामने आया, जहां शादी में आमंत्रित न किए जाने से नाराज एक युवक ने दूल्हे की बरात को रोकने की कोशिश की। मामला इतना बढ़ गया कि मौके पर पहुंची पुलिस के साथ भी युवक और उसके परिवार ने मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपी युवक, उसकी पत्नी और पुत्री के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बरात रोकने की कोशिश से मचा हड़कंप

घटना बीती रात की है, जब कुशवाहा परिवार में विवाह समारोह के दौरान बरात गांव में पहुंची। पड़ोस में रहने वाले मनोज यादव ने गुस्से में बरात को रोकने का प्रयास किया। वह अपने घर के सामने डंडा लेकर खड़ा हो गया और दूल्हे की गाड़ी को आगे बढ़ने से रोक दिया।

इस अप्रत्याशित घटना से बरातियों में हड़कंप मच गया, और बैंड-बाजे की धुन बंद कर दी गई। लड़की पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंचे और मनोज को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह किसी की सुनने को तैयार नहीं था।

अमरकंटक डाकघर में सर्वर ठप, रेलवे टिकट और डाक सेवाएं प्रभावित

अनूपपुर (ए.)। पर्यटक स्थल के रूप में प्रसिद्ध अमरकंटक में प्रतिवर्ष 80 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचते हैं। लेकिन यहां के डाकघर में अव्यवस्था के कारण उन्हें रेलवे टिकट सहित अन्य सेवाओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता है, जिससे यहां का पर्यटक भी प्रभावित हो रहा है।

अनूपपुर जिले में अमरकंटक डाकघर में न तो डाक से जुड़े कार्य सुचारू रूप से हो रहे हैं और न ही रेलवे टिकट बुकिंग की सेवा सही तरीके से संचालित हो रही है। स्थानीय लोग और पर्यटक लगातार हो रही इस परेशानी से त्रस्त हैं। लेकिन समाधान की कोई पहल नजर नहीं आ रही।

अमरकंटक मध्यप्रदेश का एक प्रसिद्ध धार्मिक और पर्यटन स्थल है। जहां साल भर देश भर से श्रद्धालु और सैलानी आते रहते हैं।

लूट करने वाले पांच नाबालिग सहित छह गिरफ्तार, चाकू अड़ाकर छीनते था मोबाइल व नगदी

जबलपुर (ए.)। पुलिस ने चाकू की नोक पर मोबाइल लूटने वाले गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनमें पांच नाबालिग शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ विधिवत कार्रवाई की है।

मोढ़ोताल थाना प्रभारी नीलेश दोहरे के अनुसार, दीपक कुमार रैकवार (33) निवासी बृंदावन नगर, कटंगी रोड, 27 फरवरी की रात करीब 11:30 बजे मदर टेरेसा मेन रोड से घर लौट रहे थे। तभी बृंदावन नगर मोड़ पर दो मोटरसाइकिलों पर सवार तीन-तीन युवकों ने उन्हें घेर लिया और चाकू की नोक पर मोबाइल लूट लिया। इसी तरह, आशीष कुमार गोंड़ (27) निवासी प्रोफेसर कॉलोनी, माढ़ोताल, जो एमपीईबी में मीटर रीडिंग का निजी कार्य करता है, अपने जीजा के साथ जा रहा था।

गाय को बचाने के चक्कर में नदी में गिरी मूंगफली से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, दबने से चालक गंभीर घायल

दमोह (ए.)। दमोह-छतरपुर हाईवे पर बटियागढ़ की जुड़ी नदी में सोमवार दोपहर एक मूंगफली से भरी ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर में दबे चालक को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। हादसा गाय को बचाने के प्रयास में हुआ।

क्षमता से अधिक लोड था मूंगफली

बटियागढ़ ब्लॉक के घनश्यामपुरा गांव निवासी राकेश जैन के ट्रैक्टर में मूंगफली के बोरे लादे गए थे। चालक फीरोज पिता गुड्डा खान (28 वर्ष, निवासी घनश्यामपुरा) ट्रैक्टर लेकर बटियागढ़ से घनश्यामपुरा जा रहा था। ट्राली में क्षमता से अधिक वजन था।

व्यापार समाचार

महिलाएं डिजिटल फ्रॉड का क्यों बन रही हैं आसान शिकार? बचाव के हैं ये आसान उपाय

-डॉ. दिव्या तंवर, साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट

नई दिल्ली (ए.)। आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, और महिलाएं अक्सर इसकी आसान शिकार बन जाती हैं। फ्रॉड करने वाले धोखेबाज लोग सोशल मीडिया, फेक कॉल, ईमेल, मैसेज, या ऑनलाइन शॉपिंग के बहाने व्यक्तिगत जानकारी चुराकर महिलाओं को अपना निशाना बनाते हैं। उदाहरण के लिए, "जॉब ऑफर" के नाम पर बैंक डिटेल्स मांगना, "लकी ड्रॉ विनर" बताकर पैसे ट्रांसफर करवाना, या "सोशल मीडिया हैकिंग" के बहाने ओटीपी शेयर करवाना आम तरीके हैं। कई बार भावनात्मक रूप से जोड़कर भी महिलाओं को रोमांस स्कैम में फंसाया जाता है।

क्यों होती हैं ज्यादा असुरक्षित?

साइबर एक्सपर्ट्स के मुताबिक, महिलाएं अक्सर अजनबियों पर भरोसा करने, जल्दबाजी में लिंक्स क्लिक करने, या फेक प्रोफाइल्स को वेरिफाई न करने की गलती कर देती हैं। घर पर रहने वाली महिलाओं में टेक्नोलॉजी की कम जानकारी भी इन्हें रिस्क में डालती है। पिछले साल नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर 30त्न से ज्यादा शिकायतें महिलाओं से जुड़ी थीं, जिनमें ऑनलाइन पेमेंट फ्रॉड और आइडेंटिटी थेफ्ट प्रमुख थे।

बचाव के उपाय:

1. लिंक्स और एप्स पर भरोसा न करें: किसी भी अज्ञात लिंक को क्लिक करने या अनजान एप डाउनलोड करने से बचें।

2. पर्सनल डिटेल्स शेयर न करें: बैंक डिटेल्स, ओटीपी, या पासवर्ड कभी किसी के साथ साझा न करें। बैंक या सरकारी एजेंसियां ऐसी जानकारी नहीं मांगतीं।

3. सोशल मीडिया प्राइवेसी सेटिंग्स चेक करें= अपनी प्रोफाइल को प्राइवेट रखें और अजनबियों की रिक्वेस्ट्स स्वीकार न करें।

हने हुए पुराने, अब गोल्ड एसआईपी के साथ थोड़ा-थोड़ा कर खरीदें सोना!

नई दिल्ली (ए.)। भारत में महिलाओं के लिए सोना क्या मायने रखता है, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि देश में जितना सोना मौजूद है, उसमें से करीब 11 फीसद महिलाओं के पास है। करीब 52 फीसदी महिलाएं सोने को अपना पसंदीदा निवेश विकल्प मानती हैं क्योंकि यह एक सुरक्षित और भरोसेमंद संपत्ति है। पारंपरिक रूप से महिलाएं गहनों के रूप में सोने में निवेश करती रही हैं. लेकिन मौजूदा निवेश के रुझान देखें तो डिजिटल गोल्ड, ईटीएफ सहित कई निवेश विकल्पों में अब महिलाओं की रुचि तेजी से बढ़ रही है।

एसआईपी से खरीदा जा रहा सोना

अगर आप बड़ी मात्रा में सोना नहीं खरीद पा रहे हैं तो गोल्ड फंड में स्ट्रक्क का विकल्प चुन सकते हैं। गोल्ड फंड स्ट्रक्क आपको नियमित अंतराल पर छोटी राशि में गोल्ड फंड में निवेश करने की अनुमति देता है। ये स्ट्रक्क साप्ताहिक, मासिक या तिमाही कुछ भी हो सकती है। अगर आपकी गोल्ड फंड स्ट्रक्क मासिक है तो आपका गोल्ड फंड इन्वेस्टमेंट मासिक किस्त की तिथि के अनुसार होगा।

गोल्ड फंड की खासियत

किसी अन्य म्यूचुअल फंड स्ट्रक्क की तरह, गोल्ड फंड के लिए डीमैट अकाउंट खोलने की आवश्यकता नहीं होती है। आप अपने पोर्टफोलियो में कितना गोल्ड चाहते हैं, इसके संबंध में अपने लक्ष्यों के आधार पर निवेश की अवधि भी चुन सकते हैं। इन्वेस्टर गोल्ड फंड में यूनिट खरीद सकते हैं और

रिडीम कर सकते हैं।

फिजिकल से ज्यादा डिजिटल गोल्ड बेहतर

डिजिटल रूप से सोना खरीदना भौतिक रूप से सोना खरीदने का एक विकल्प है। कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन सोना खरीद सकता है, और उसके बराबर की राशि को बीमाकृत तिजोरी में भौतिक सोने के रूप में रख सकता है। डिजिटल सोना खरीदने की सबसे बड़ी खूबी है कि आप 100 रुपए का भी सोना ऑनलाइन खरीद सकते है जबकि दुकान पर जाकर आप अपनी जेब के हिसाब से सोना नहीं खरीद सकते।

डिजिटल गोल्ड खरीद रही महिलाएं

डिजिटल गोल्ड प्लेटफॉर्म्स के मुताबिक पहले की तुलना में महिलाएं अब ज्यादा डिजिटल सोना खरीद रही हैं। एक अनुमान के मुताबिक डिजिटल गोल्ड प्लेटफॉर्म्स के कुल यूजर्स में महिलाओं की भागीदारी करीब 35 से 40 फीसद है। ये बढ़ती भागीदारी इस बात की ओर इशारा करती है कि महिलाएं भी अब मॉडर्न इनवेस्टमेंट मेथड को तेजी से अपना रही हैं।

PMI: फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 14 महीने के निचले स्तर पर, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली (ए.)। नए ऑर्डरों और उत्पादन में धीमी वृद्धि के बीच भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि फरवरी में 14 महीने के निचले स्तर पर आ गई। पीएमआई की मासिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में सोमवार को इसकी जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) फरवरी में 56.3 पर पहुंच गई, जो जनवरी में 57.7 पर थी। हालांकि पीएमआई का आंकड़ा 'विस्तारकारी' क्षेत्र के भीतर रहा। पीएमआई की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, "हालांकि दिसंबर 2023 के बाद से उत्पादन वृद्धि सबसे कमजोर स्तर पर आ गई है, लेकिन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में समग्र गति फरवरी में मोटे तौर पर सकारात्मक रही।"

एफआईआर का आदेश रद्द कराने हाईकोर्ट पहुंचीं पूर्व सेबी चीफ माधवी पुरी बुच, चार मार्च को सुनवाई

नई दिल्ली (ए.)। पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और पांच अन्य ने कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी के लिए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश को रद्द करने की मांग करते हुए बंबई हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बॉम्बे हाईकोर्ट पूर्व सेबी प्रमुख व अन्य की ओर से दाखिल याचिकाओं पर 4 मार्च को सुनवाई करेगा। एसीबी तब तक विशेष अदालत के आदेश पर कार्रवाई नहीं करने को कहा गया है।

इससे पहले, मुंबई की एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के आरोप में पूर्व सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।

मुंबई स्थित विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगर ने शनिवार को पारित आदेश में कहा, प्रथम दृष्टया विनियामकीय चूक और मिलीभगत के सबूत हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि वह जांच की निगरानी करेगा। मामले में 30 दिनों के भीतर स्टेटस रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। अदालत ने आदेश में यह भी कहा है कि आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, जिसके लिए जांच जरूरी है।

आदेश में कहा गया है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की निष्क्रियता के कारण सीआरपीसी (आपराधिक प्रक्रिया संहिता) के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है।

माधबी बुच के अलावा जिन अन्य अधिकारियों के खिलाफ अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है, उनमें बीएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदररामन राममूर्ति, इसके तत्कालीन चेयरमैन और जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल और सेबी के तीन पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय शामिल हैं।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया सोमवार को 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.28 रुपये पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बढ़कर खुला। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और मजबूत वृहद आर्थिक आंकड़ों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में कुछ सुधार के संकेत के कारण रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि शुक्रवार को जारी ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश की अर्थव्यवस्था अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 6.2 फीसदी बढ़ी है। ऐसे में विदेशी पूंजी की निकासी रुकने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हालांकि अमेरिकी शुल्क से पैदा हुई अस्थिरता जारी है, जिसके चलते कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.36 पर खुला और अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले बढ़त के साथ 87.28 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे गिरकर 87.37 पर बंद हुआ था। इस बीच छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की ताकत को दिखने वाला डॉलर सूचकांक 0.34 फीसदी नीचे आकर 107.19 पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी; सेंसेक्स 112 अंक गिरा, निफ्टी 22120 के नीचे

नई दिल्ली (ए.)। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद सोमवार को भी घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स 112 अंक के नुकसान में रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रहने के बीच बाजार में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों पर खासा दबाव दिखा।

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और यह 112.16 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,085.94 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह ऊंचे में 73,649.72 अंक तक गया और नीचे में 72,784.54 अंक तक आया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में लगातार नौवें कारोबारी सत्र में गिरावट आई। यह सूचकांक 5.40 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 22,119.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 120 अंक तक टूट गया था।

सेंसेक्स के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर कौन-कौन

सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, मारुति, सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मास्युटिकल्स और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

दूसरी तरफ, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, एनटीपीसी, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में बढ़त दिखी। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहा जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहा। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार सोमवार को बंद रहा।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख था। जबकि अमेरिकी बाजारों में शुक्रवार को तेजी रही थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72.39 डॉलर प्रति बैरल रहा।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 11,639.02 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 1,414.33 अंक लुढ़का था, जबकि एनएसई निफ्टी में 420.35 अंक की गिरावट आई थी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

शराब नीति में हेरा-फेरी

आम आदमी पार्टी (आप) के क्रियाकलाप पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट अंततः दिल्ली विधानसभा के पटल पर रख दी गई।

कुल चौदह मामलों पर कैग ने रिपोर्ट तैयार की हैं, लेकिन जिस रिपोर्ट पर सबकी नजर लगी थीं, वह आबकारी नीति के संबंध में है। इस रिपोर्ट में शराब नीति को लेकर कोई व्यवस्था जितनी तरह की लापरवाहियां बरत सकती है, जितनी तरह की अनियमितताएं कर सकती है, और विभिन्न हित समूहों के लिए भ्रष्टाचार की जितनी गुंजाइशें छोड़ी जा सकती हैं, उन सबका उल्लेख किया गया है।

पुरानी नीति की प्रक्रियागत खामियों को दूर करने के लिए ही नई नीति का मसौदा तैयार किया था लेकिन नई नीति के क्रियान्वयन में विशेषज्ञ समिति के अनेक सुझावों को दरकिनार किया गया। दिल्ली में शराब वितरण केंद्रों की न केवल संख्या बढ़ा दी गई, बल्कि वितरण उन क्षेत्रों में भी पहुंचा दिया गया जहां पहले प्रतिबंधित था यानी स्कूल और आवासीय परिसरों के निकट। उत्पादन और वितरण की एजेंसियों का भी मनमाने ढंग से चयन किया गया।

उन संस्थाओं को ठेके दे दिए गए जो पात्रता नहीं रखती थीं और रखती भी थीं तो उन्हें जरूरत से ज्यादा खुदरा विक्रय केंद्र आवंटित कर दिए गए। रिपोर्ट में यह उल्लेख स्पष्ट है कि शराब नीति में हेरा-फेरी और उसके क्रियान्वयन में जो तौर-तरीके अपनाए गए उनके चलते लगभग दो हजार करोड़ रुपये से ज्यादा नुकसान दिल्ली सरकार को हुआ।

यह तभी हो सकता है, जब नुकसान की राशि का कुछ न कुछ हिस्सा उन लोगों के पास पहुंचा हो जिन्होंने नुकसान होने दिया और इसी ने ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियों के लिए जांच की स्थितियां तैयार कीं जिसके कारण तबके मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह जैसे लोगों को जेल जाना पड़ा।

यह रिपोर्ट लोक लेखा समिति को भेज दी गई है। उसकी रिपोर्ट मिलने पर शेष स्थितियां उजागर होंगी। लेकिन आप की सरकार अपने ऊंचे-ऊंचे वादों, विचारों के पैमानों पर असफल हुई और दुखद यह है कि पराजय के बाद भी उसके नेताओं ने सबक नहीं लिया है। वे शुद्ध राजनीति पर लौटने की बजाय हंगामा खड़ा करने में अब भी ज्यादा भरोसा किए हुए हैं।

राहुल की विचारधारा बदली, लाइन भी अलग

हरिशंकर व्यास

राहुल गांधी 35 साल की उम्र में 2004 में सांसद बने थे। तब से यानी पिछले 20 साल से अपनी टीम बनाने की कोशिश में हैं। एक बार उन्होंने 2009 में राजकुमारों की टीम बनाई थी, सबको मंत्री बनाया था लेकिन उनमे से ज्यादातर लोग कांग्रेस छोड़ कर चले गए।

परंतु उनकी इस राजनीति का नतीजा यह हुआ है कि सोनिया गांधी की टीम बनाम राहुल गांधी की टीम यानी पुराने और नए नेताओं का झगड़ा स्थायी बना।

अब जबकि कांग्रेस के ज्यादातर पुराने नेताओं का या तो निधन हो गया है या वे रिटायर है या हाशिए में चले गए है तो राहुल गांधी फिर नई टीम बना रहे हैं। इस बार उनकी विचारधारा भी बदली हुई है, राजनीतिक लाइन भी अलग है और चेहरे भी अलग हैं।

उनकी राजनीति को समझाने के लिए बिहार कांग्रेस के एक बहुत पुराने नेता, जो डॉक्टर जगन्नाथ मिश्र के बहुत करीबी रहे नेता ने कहा है कि वामपंथी राजनीति देश में लगभग खत्म हो गई है, केरल के अलावा अगर वह कहीं बची है तो राहुल गांधी की टीम में बची है।

पता नहीं यह बात पूरी तरह से सही है या नहीं लेकिन इतना दिख रहा है कि वामपंथी विचारधारा से जुड़े या एनजीओ के अंदाजा में काम करने वाले युवा राहुल गांध की कोर टीम में जुड़े हैं।

खुद राहुल गांधी जाति गणना कराने, आरक्षण की सीमा 50 हजार से ज्यादा करने, आबादी के अनुपात में राजनीतिक व प्रशासनिक पद देने आदि के विचार में काम कर रहे हैं।

अपनी इसी समझ में वे टीम चुन रहे हैं। नेताओं की योग्यता, उनकी क्षमता, राजनीतिक अनुभव, जनता के साथ संपर्क आदि को दरकिनार करके वे उन लोगों को संगठन में आगे बढ़ा रहे हैं, जिन लोगों का विचार है कि आरक्षण की सीमा 75 फीसदी होनी चाहिए।

पार्टियों के संगठन के पद जाति व धर्म के आधार पर भरे जाने चाहिए। प्रशासनिक सेवाओं से लेकर मिस इंडिया कॉन्टेस्ट में ओबीसी, दलित, आदिवासी को आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

इसी सोच में उन्होंने 11 केंद्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति कराई है। इनमें आठ नेता ओबीसी, दलित, आदिवासी और मुस्लिम समुदाय के हैं।

हालांकि ऐसा नहीं है कि ये सभी नेता स्वाभाविक प्रक्रिया से निकल कर ऊपर तक पहुंचे हैं और किसी पूर्वाग्रह की वजह से पहले उनको जिम्मेदारी नहीं मिल रही थी।दो प्रदेशों में पिछड़ा और दलित अध्यक्ष बनाने के बाद 11 केंद्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति को देख कर लग रहा है कि कैसे रैंडम तरीके से नेता चुने जा सकते हैं और उन्हें जिम्मेदारी दी जा सकती है।

नई नियुक्तियों में कोई तारतम्य नहीं दिख रहा है। तेलुगू भाषी व्यक्ति को झारखंड और कन्नड़ भाषी व्यक्ति को बिहार का प्रभारी बनाने के पीछे क्या सोच हो सकती है, यह कोई नहीं बता सकता है।

अब तक परदे के पीछे से काम कर रहे लोगों को घनघोर राजनीति करने वाले राज्यों में प्रभारी बना कर भेजने के पीछे भी क्या सोच है, यह कोई नहीं बता पाएगा।

बरसों से इस बात की चर्चा है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को कांग्रेस की परंपरा से निकले नेताओं को आगे लाना चाहिए। जैसे भाजपा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रशिक्षण से निकले नेता भाजपा संगठन में रोल निभा रहे हैं।

वे कितने योग्य और सक्षम हैं यह अलग बात है लेकिन कम से कम एक पृष्ठभूमि है। लेकिन कांग्रेस में एनएसयूआई की पाठशाला से निकला शायद ही कोई नेता संगठन में अहम पदों पर होगा।

राहुल गांधी ने तो एनएसयूआई यानी कांग्रेस की राजनीति की नर्सरी का ही प्रिंसिपल सीपीआई से आए कन्हैया कुमार को बना दिया है। कन्हैया एनएसयूआई के प्रभारी हैं।

भाजपा में तो समझ में आ रहा है कि 50 से 55 साल के नेताओं और पहली, दूसरी बार के विधायकों, सांसदों को अहम जिम्मेदारी इसलिए दी जा रही है ताकि वे चुनौती नहीं बन सकें।

कांग्रेस में तो ऐसा कोई खतरा नहीं है। नेहरू, गांधी परिवार के लिए कोई चुनौती नहीं बन सकता है। वहां आरएसएस जैसी किसी संस्था की पसंद, नापसंद का ख्याल भी नहीं रखना है।

फिर क्यों मजबूत नेताओं की जगह परदे के पीछे काम करने वालों को निजी निष्ठा के आधार पर नियुक्त किया जा रहा है? समस्या यह भी है कि राहुल गांधी, जिसको चुन देते हैं या कहीं बैठा देते हैं तो वह सुप्रीम हो जाता है। वह किसी को कुछ नहीं समझता है।

दिल्ली में प्रभारी के अलावा किसी की बात नहीं सुनी जाती है। जैसे महाराष्ट्र में नाना पटोले अध्यक्ष बने तो बाकी सारे नेता हाशिए में डाल दिए गए। पटोले खुद ही सीएम दावेदार हो गए।ऐसे ही मध्य प्रदेश में पहले कमलनाथ थे और अब जीतू पटवारी हैं।

छत्तीसगढ़ में जो हैं सो भूपेश बघेल हैं और हरियाणा में सब कुछ भूपेंद्र सिंह हुड्डा के हवाले था।

तेलंगाना के सारे फैसले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हवाले छोड़े गए हैं तो हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू को ऐसी ताकत दी गई कि वीरभद्र सिंह का परिवार नाराज हुआ। प्रदेश अध्यक्ष या मुख्यमंत्री या प्रभारी इनके अलावा प्रदेश की राजनीति में किसी की नहीं चलती है।

कोई स्वतंत्र फीडबैक नहीं ली जाती है। अभी तक यह सिस्टम चल रहा है कि अगर प्रदेश का कोई नेता इन तीन के खिलाफ शिकायत करे तो घूम फिर कर वह शिकायत इन्हीं के पास पहुंच जाती है।

राहुल अपनी कोर टीम के सदस्यों को फील्ड की राजनीति के लिए भेज रहे हैं और उनके अलावा मल्लिकार्जुन खडगे या प्रियंका गांधी वाड्रा के प्रति निजी निष्ठा वालों को महत्वपूर्ण पद दिए जा रहे हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मुलाकात की.

वैश्विक राजनीति में तरक्की पसंदगी का दौर खत्म

श्रुति व्यास

दुनिया रूढिवाद के सैलाब में डूब-उतरा रही है। मध्यमार्गी बेचारे' हो चले हैं। वे मध्य-दक्षिणपंथियों और लोकलुभावनवादी दक्षिणपंथियों से पिट रहे हैं। जर्मनी इस सैलाब का सबसे नया शिकार है। वहां की मध्य-दक्षिणपंथी क्रिस्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी (सीडीयू) के नेता फ्रीड्रेक मर्त्ज़ का देश का अगला चांसलर बनना तय है। हालांकि मतदाताओं का दक्षिणपंथियों की ओर झुकाव अनुमानों से कम है, फिर भी यह जबरदस्त है। रूढिवादियों ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद संकल्प लिया था कि उनसे अधिक दक्षिणपंथी कोई भी दल चुनावों में कामयाबी हासिल नहीं कर सकेगा। अब यह साफ है कि वे अपने संकल्प को पूरा करने में नाकामयाब रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर रूढिवादी सीडीयू/सीएसयू ने अधिकतर सीटों पर जीत हासिल की है। और अति-दक्षिणपंथी एएफडी दूसरे स्थान पर रही है।

लेकिन जर्मनी के ये नतीजे न तो आश्चर्यजनक है और ना ही धक्का पहुंचाने वाले हैं।

सारी दुनिया में निराशा, मोहभंग और सार्वभौम मूल्यों के प्रति बगावत का माहौल है। इससे उग्र-दक्षिणपंथी और व्यवस्था-विरोधी दलों की ताकत में इजाफा हुआ है। स्थापित राजनीति को लेकर निराशा और मायूसी है, विशेषकर युवाओं में। अध्ययनों और रायशुमारियों में दावा किया गया है कि युवा आजादी (अर्थात उदारवाद) की बजाए अंकुशों (यानि रूढिवादिता) के अधिक पक्षधर हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्था ग्लोकेलाईटिस द्वारा 2024 में किए गए अध्ययन से पता लगता है कि 2014 से 2023 के बीच, कुल मिलाकर दुनिया अधिक उदारवादी बनी। हालांकि वह इसके साथ-साथ अधिक निराशावादी भी हो गई थी। इसका नतीजा यह हुआ कि सभी महाद्वीपों में उग्र-दक्षिणपंथी मतदाताओं की छवि बदल रही है, और अति दक्षिणपंथ के प्रति समर्थन युवावर्ग में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। इसकी वजह तो साफ़ है, हालांकि इसे समझना आसान नहीं है। उनकी सोच में ढेर सारी कमियां है, पाखंड है क्योंकि उनकी कोई विचारधारा ही नहीं है। युवा पंथनिरपेक्ष नजर आना चाहते हैं, और यह नहीं चाहते कि उन पर जेनोफोबिक (विदेशियों से नफरत करना वाला) होने का ठप्पा लगा दिया जाए। लेकिन वे प्रवासियों के खिलाफ हैं, और भारत के मामले में मुसलमानों और उनकी संस्कृति के। वे महसूस करते हैं कि पुराने राजनैतिक दल मुसलमानों के अधिक पक्षधर रहे हैं। जिन नौकरियों और घरों पर उनका हक था, वे अल्पसंख्यकों को दे दी गईं और उन्हें तकलीफ झेलने के लिए छोड़ दिया गया। वे महसूस करते हैं कि उनकी ओर से मुंह फेर लिया गया है, उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। इसलिए उन्हें उनकी भावनाओं के अनुकूल बातों और प्रोपेगेंडा से राहत महसूस होती है। उन्हें लगता है कि वे सही सोच रहे हैं। उनकी नजरों में दक्षिणपंथी ही ठीक बात कर रहे हैं।दक्षिणपंथ की ओर आए इस झुकाव ने लोकतंत्र के प्रति आस्था को और धक्का पहुंचाया है। केब्रिज के शोधकर्ताओं द्वारा 2020 में 160 देशों के लोगों के रवैयों का अध्ययन किया गया। अध्ययन में यह पाया गया कि युवा पीढ़ी का लोकतंत्र से अधिकाधिक मोहभंग होता जा रहा है। और पीयू रिसर्च सेंटर के मुताबिक 12 उच्च आय वाले देशों के करीब दो-तिहाई नागरिक लोकतंत्र से असंतुष्ट थे। यह अनुपात 2017 में आधे से भी कम था।

आखिर क्या बदल गया है?

तेजी से बदलते समय ने पुरानी यादों को धुंधला कर दिया है। 1930 के दशक के फासीवाद, जिसके चलते व्यापक नरसंहार वाला विनाशकारी युद्ध हुआ था, को दुनिया भूल चली है। तानाशाही और अति-दक्षिणपंथी अतिवाद अब पहले जितना कलंकित नहीं रहा। 1970 के दशक में ट्रंप, मिलोनी, और मोदी जैसे नेताओं को हिटलर और मुसोलनी का अवतार समझा जाता।

लोग उनसे डरते, उनसे नफरत करते। लेकिन अब अधिनायकवादी लोगों की तानाशाही का भय नहीं है, बल्कि अब अल्पसंख्यकों, मुसलमानों को अधिकार और शक्ति दिए जाने के प्रति डर है। देश की सीमाओं के बाहर से आने वालों के प्रति भय है।समय बदलता रहता है। एक समय स्टेटसमैनों' का था। जब विविधता, समानता, समावेशिता, पूंजीवाद और आजादी के मूल्यों का बोलबाला था। यह वह दौर भी था जिसमें रूढ़िवादी विचारों को खारिज किया जाता था। बहुसंख्यक वर्ग महसूस करता था कि उसे दूसरों से अधिक हक़ नहीं होने चाहिए। आज राजनैतिक माहौल बदल रहा है। दक्षिणपंथ की ओर झुकाव में जनता खुद को महफूज़ महसूस करती है। क्या दक्षिणपंथ की ओर इस झुकाव को इस बात का संकेत माना जा सकता है कि वैश्विक राजनीति में तरक्कीपसंदगी का दौर खत्म हो गया है? अभी तो ऐसा ही लग रहा है।

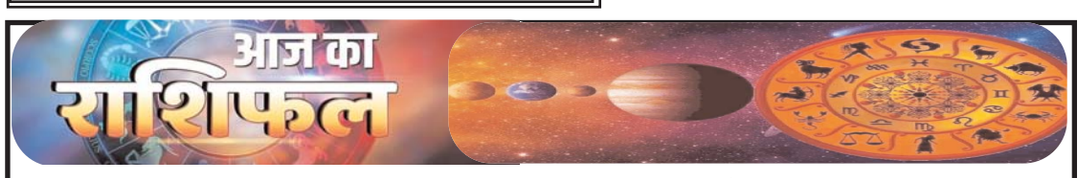

मेष राशि- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप अपने निजी जीवन में चली आ रही परेशानियों को खत्म करने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। कार्य क्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। सरकारी नौकरी पाने का प्रयास कर रहे हैं लोगों को नए अवसर मिलने की संभावना है।

वृष राशि- आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। इस दौरान आपको अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखने की जरूरत है। जिससे आपकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। व्यापार के विकास में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेंगे। आपकी योजनाएं सफल होंगी। आपके लिए आमदनी के योग बनेंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। नौकरी में ट्रांसफर के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ आप खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं।

कर्क राशि- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी नए लोगों से मुलाकात होगी। आज आपके प्रयासों से सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ की संभावना बनेगी। कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति मिलेगी। आप अपने काम के कारण काफी व्यस्त रहेंगे और परिवार को समय कम दे पाएंगे।

सिंह राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा। कलीग्स के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आज आप नया काम शुरू करेंगे। जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आप दूसरों की मदद करने की हर संभव कोशिश करेंगे। आपकी किसी पारिवारिक समस्या का निवारण होने से आपको बहुत सुकून मिलेगा।

कन्या राशि- आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज खुशखबरी मिलेगी, जिससे आपके चेहरे पर पूरे दिन मुस्कान बनी रहेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी। नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा। आप पूरी सावधानी से काम करेंगे। आज आप घर परिवार की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब रहेंगे। आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी। किसी कार्य योजना के कारण आपको दूर की यात्रा करनी पड़ेंगी। आज आपके घर के सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला राशि- आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी में सफलता के योग हैं। आपकी सैलरी बढ़ सकती है। जमीन जायदाद के मामलों में कुछ समस्या आएगी, लेकिन कोर्ट कचहरी में आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलीयत दिखाने का मौका मिलेगा। नौकरी में काम का बोझ बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे। लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घर को अच्छी तरह तालमेल बनाकर रखेंगे। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा। संतान को लेकर उलझने दूर होगी।

धनु राशि- आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपको अपनी नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। कार्यस्थल पर विरोधी कुछ मुश्किलें खड़ी करेंगे, लेकिन आप अपने काम पर फोकस करेंगे। आपकी एकाग्रता आपको सफलता दिलाएगी। आपकी बचत योजनाएं कामयाब रहेंगी। आपको निवेश करने का सुनहरा मौका मिलेगा। आप सपरिवार किसी धार्मिक स्थान पर घूमने जा सकते हैं।

मकर राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने के अनेक मौके मिलेंगे। रिश्तेदारों के साथ छोटी मोटी यात्रा हो सकती हैं, आपकी यात्रा सुखद रहेगी। पारिवारिक रिश्तों में आपसी प्रेम बढ़ेगा। किसी पुराने विवाद को लेकर न्यायालय का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

कुंभ राशि- आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे, इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सैलरी में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा। आपको किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। आपके पारिवारिक जीवन में सुख शांति रहेगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ घर की जिम्मेदारियों को पूरा करने में सफल रहेंगे। व्यापार में उन्नति की संभावना है।

मीन राशि- आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ खरीदारी करने में व्यस्त रहेंगे। घर में धार्मिक फंक्शन होने की संभावना है। कुछ लोग साझेदारी में व्यापार शुरू करेंगे।

धर्मनिरपेक्षता देश की रक्त प्रवाहिका। विभिन्न धार्मिक संस्थाएं भारत की संपदा।

संजीव ठाकुर

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण एवं शाश्वत सिद्धांत है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व है। जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित हैद्य धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव है। इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है। इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग है। भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता मैं पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैं। धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता है।

भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है।इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है। प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई है। भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान है। भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करें। भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती हैद्य धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ-साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता हैद्य भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता है। हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय-समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों,मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करें। आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री आदि नेताओं का धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास था। स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन से पहले ही सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन ने धर्मनिरपेक्षता का मार्ग प्रशस्त कर दिया था,और स्वतंत्रता के बाद भारत में धर्मनिरपेक्षता की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके अंतर्गत व्यक्ति को समानता स्वतंत्रता व न्याय जैसे मानव अधिकार प्राप्त हैं। और इन अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता को माना गया है, इसके अभाव में राज्य में समानता व धर्म निरपेक्षता की स्थापना नहीं की जा सकती है।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता विविधता में एकता ही रही है, विविधता में एकता का मूल मंत्र ही धर्मनिरपेक्षता का है। भारत में अल्पसंख्यक भी इसी देश के निवासी हैं और इनको विश्वास दिलाने तथा इनकी रक्षा करने का मार्ग प्रशस्त धर्मनिरपेक्षता के अस्त्र के रूप में किया गया है। भारत देश निरंतर विकास के सोपान की तरफ अग्रसर है और एक वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में प्रशस्त भी है। इन परिस्थितियों में विश्व के समक्ष धर्मनिरपेक्ष था की एकता का आदर्श स्थापित करने की परम आवश्यकता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना के 42 वें संशोधन 1976 के अंतर्गत पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़ा गया है, जिसका मतलब राज्य सभी मतों को समान रूप से रक्षा करेगा एवं स्वयं भी किसी मत को राज्य के धर्म के रूप में नहीं अपनाएगा। भारत का संविधान हमें विश्वास दिलाता है कि उसके साथ धर्म के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगाद्य भारत का संविधान पूर्ण रूप से भारतीय जनमानस की व्यक्तिगत, जातिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए ही निर्मित किया गया है। न्यायपालिका तथा कार्यपालिका इस हेतु संपूर्ण रुप से प्रतिबद्ध भी हैं। किंतु भारतीय संदर्भ में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि राजनीतिक दलों पर लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करने की जिम्मेदारी है।

वही लोग अपने स्वार्थ पर राजनीति के लिए मुद्दों को चुनावी हथियार बनाते हैं जिसका शिकार आम जनता को होना पड़ता है । इसके कारण समाज का माहौल बिगड़ जाता है। यह संपूर्ण रूप से एक चिंता का विषय है। भारत में स्वतंत्रता के बाद से लोकतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत बड़े ही मजबूत रहे हैं और इसकी स्वस्थ परंपरा भी भारत देश में रही है। इसे हमेशा मजबूत एवं शाश्वत बनाने की आवश्यकता वर्तमान में प्रतीत होती है।

दृष्टिबाधित व्यक्तियों को न्यायिक सेवाओं में अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता : न्यायालय

नई दिल्ली (ए.)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि दृष्टिबाधित व्यक्तियों को न्यायिक सेवाओं में रोजगार के अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने पिछले साल तीन दिसंबर को कुछ राज्यों में न्यायिक सेवाओं में दृष्टिबाधित व्यक्तियों को आरक्षण न दिए जाने को लेकर स्वत: संज्ञान वाले एक मामले सहित छह याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति महादेवन ने फैसला सुनाते हुए कहा कि न्यायिक सेवा में भर्ती के दौरान दिव्यांगजन के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए तथा सरकार को समावेशी ढांचा सुनिश्चित करने के लिए उनके लिए सकारात्मक कदम उठाने चाहिए। न्यायाधीश ने कहा, चाहे वह कटऑफ के माध्यम से हो या प्रक्रियात्मक बाधाओं के कारण.. किसी भी प्रकार के ऐसे अप्रत्यक्ष भेदभाव में हस्तक्षेप किया जाना चाहिए जिसके परिणामस्वरूप दिव्यांगजन को अवसर से वंचित रखा जाता हो ताकि मौलिक समानता बरकरार रखी जा सके। फैसले में कहा गया कि किसी भी उम्मीदवार को केवल उसके दिव्यांग होने के कारण अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश सेवा परीक्षा (भर्ती एवं सेवा शर्तें) नियम 1994 के उन कुछ नियमों को भी रद्द कर दिया, जिसके तहत दृष्टिबाधित और अल्प दृष्टि वाले उम्मीदवारों को न्यायिक सेवा में प्रवेश से रोका गया था। ये याचिकाएं मध्य प्रदेश नियमावली के नियम 6ए और सात की वैधता से संबंधित थीं। फैसले में कहा गया है कि चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग) उम्मीदवार फैसले के आलोक में न्यायिक सेवा चयन के लिए विचार किए जाने के हकदार हैं और यदि वे पात्र हैं तो उन्हें रिक्त पदों पर नियुक्त किया जा सकता है। इस संबंध में विस्तृत फैसला अभी उपलब्ध नहीं है।

मोदी सरकार में बेरोजगारी, महंगाई और झूठ का थोक में उत्पादन हुआ : राहुल

नई दिल्ली (ए.)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में आर्थिक विफलता, बेरोजगारी, महंगाई और झूठ का थोक में 'उत्पादन' हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि 'अन्याय वाले कर' हटाकर, एकाधिकार मिटाकर और बैंक के दरवाजे खोलकर मजबूत भारत का निर्माण शुरू हो सकता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ''मोदी सरकार में अगर कुछ थोक में 'मैन्युफैक्चर' (उत्पादन) हुआ है, तो वो है आर्थिक विफलता, बेरोजगारी, महंगाई और झूठ।'उन्होंने कहा, ''अन्याय वाले कर हटाओ, एकाधिकार मिटाओ, बैंक के दरवाज़े खोलो, हुनर को हक़ दिलाओ। तब अर्थव्यवस्था, रोज़गार और मज़बूत भारत का निर्माण शुरू होगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मुलाकात की.

हिमानी नरवान हत्याकांड : आरोपी गिरफ्तार, जांच में बड़े खुलासे संभव

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा में कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवान की हत्या में बड़ा मोड़ आ गया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान सचिन के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक सचिन ने ही हिमानी की हत्या की थी। उसने देर रात दिल्ली के नांगलोई थाने में सरेंडर कर दिया, जिसके बाद रोहतक पुलिस ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि पुलिस आज इस मामले में बड़ा खुलासा कर सकती है। हत्या के बाद राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। हरियाणा निकाय चुनाव के चलते पुलिस प्रशासन पहले से ही व्यस्त था, लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए विशेष टीम बनानी पड़ी। राजनीतिक दबाव भी बढ़ता चला गया, खासकर तब जब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने रोहतक एसपी से मुलाकात कर जांच में तेजी लाने और आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। उधर, हिमानी के परिजनों ने भी शव लेने से इनकार कर दिया और आशंका जताई कि इस हत्या के पीछे कांग्रेस पार्टी के कुछ लोगों का हाथ हो सकता है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में डेयरी क्षेत्र में स्थिरता और परिपत्रता पर कार्यशाला का उद्घाटन किया.

बेनतीजा रही पंजाब सरकार और किसानों के बीच की बैठक, गुस्से में बाहर चले गए सीएम भगवंत मान

नई दिल्ली (ए.)। प्रमुख कृषि मुद्दों पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और किसानों के प्रतिनिधियों के बीच बैठक बिना किसी समाधान के समाप्त हो गई, जिससे जारी गतिरोध और बढ़ गया। बैठक में पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां और मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल भी मौजूद थे। इस बीच, किसान नेता जोगिंदर सिंह उग्राहन ने पुष्टि की कि अनिर्णायक बैठक के बावजूद, 5 मार्च को चंडीगढ़ में नियोजित विरोध कार्यक्रम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ेगा।

वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आज पंजाब भवन में हुई बैठक में मैंने किसान संगठनों के सभी सम्मानित नेताओं से अपील की कि सड़कों और ट्रेनों को रोकना या पंजाब को बंद करना किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं है। इन सबसे आम लोगों को असुविधा होती है। इसका समाज के अन्य वर्गों के काम और व्यवसायों पर भी बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है, आइए हम इस बारे में भी सोचें। कोई समाधान नजर नहीं आने के कारण, तनाव बरकरार है क्योंकि किसान अपनी मांगों पर लगातार जोर दे रहे हैं, जिससे पंजाब सरकार के साथ और टकराव की स्थिति तैयार हो गई है। दूसरी ओर किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने अपने बयान में कहा कि सीएम मान गुस्से में बैठक छोड़कर चले गए, किसानों ने फिर से चंडीगढ़ में आंदोलन करने की घोषणा की। कोई निष्कर्ष नहीं निकला। किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा के बाद मान गुस्से में बैठक छोड़कर चले गए। सीएम ने चेतावनी दी कि अगर किसानों ने 5 मार्च को अपना नियोजित विरोध वापस ले लिया, तो उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा। अन्यथा उनकी पूर्व स्वीकृत मांगें भी निरस्त कर दी जाएंगी।

विश्व वन्यजीव दिवस' पर रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने बनाई कलाकृति, लोगों को किया जागरुक

पुरी (आरएनएस)। प्रसिद्ध रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने पुरी के समुद्र तट पर रेत से एक कलाकृति बनाकर 'विश्व वन्यजीव दिवस' पर वन्यजीव संरक्षण की अहमियत समझाई। पटनायक ने कहा, आज हम विश्व वन्यजीव दिवस मना रहे हैं, जो वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। मेरी रेत की कलाकृति 'आई लव वाइल्डलाइफ' का संदेश देती है। बता दें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 'विश्व वन्यजीव दिवस' के संबंध में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, विश्व वन्यजीव दिवस पर, आइए हम अपने ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। हर प्रजाति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है - आइए आने वाली पीढ़ियों के लिए उनके भविष्य की रक्षा करें! हम वन्यजीवों के संरक्षण और सुरक्षा में भारत के योगदान पर भी गर्व करते हैं। 20 दिसंबर 2013 को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने अपने 68वें सत्र में संयुक्त राष्ट्र विश्व वन्यजीव दिवस की घोषणा की थी। यह दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन 1973 में वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए गए थे। विश्व वन्यजीव दिवस हर साल 3 मार्च को मनाया जाता है, जो वन्यजीवों और जैव विविधता के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का सबक देता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके संरक्षण की दिशा में वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देना है। पहली बार 2014 में विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया था। हर साल संयुक्त राष्ट्र इस दिन के लिए एक विशेष थीम तय करता है। 2025 की थीम वन्यजीव संरक्षण वित्त लोगों और ग्रह में निवेश है। वन्य जीव और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र पृथ्वी पर उनका संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

आईआईटी बाबा जयपुर में गिरफ्तार, जमानत पर रिहा किया गया

नई दिल्ली (ए.)। महाकुंभ से चर्चा में आए आईआईटी बाबा अभय सिंह को पुलिस ने सोमवार को यहां गिरफ्तार कर लिया, हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार अभय सिंह को शिप्रापथ थाना क्षेत्र में एक होटल से गिरफ्तार किया गया। पुलिस को उसके पास मादक पदार्थ गांजे की एक पुड़िया मिली है। थाना प्रभारी राजेन्द्र कुमार गोदारा ने बताया कि सोमवार को अभय सिंह के आत्महत्या करने की धमकी वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने संबंधी सूचना पुलिस को मिली थी। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने अभय सिंह की लोकेशन के आधार पर उसे एक होटल में पकड़कर उससे पूछताछ की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसके पास मादक पदार्थ गांजे की एक पुड़िया बरामद की गयी है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि उसे बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया।

दो सप्ताह में अंतराष्ट्रीय सीमा पर नौ बांग्लादेशी समेत 11 लोग गिरफ्तार

शिलांग (ए.)। मेघालय में पिछले दो सप्ताह में भारत-बांग्लादेश सीमा पर नौ बांग्लादेशी नागरिकों सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 2.1 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। सुरक्षा एजेंसियों ने वैध दस्तावेजों के बिना देश में घुसने पर नौ बांग्लादेशी नागरिकों को और विदेशी नागरिकों को सीमा पार कराने में मदद करने के आरोप में दो दलालों को गिरफ्तार किया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा, मेघालय में बीएसएफ ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पिछले दो सप्ताह के दौरान बीएसएफ ने 2.13 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ और तस्करी कर लाई गई अन्य चीजों को जब्त किया। सीमा-संबंधीविभिन्न अपराधों में संलिप्त दो भारतीय और नौ बांग्लादेशी नागरिकों को भी पकड़ा गया. उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास 143 मवेशियों और अन्य प्रतिबंधित चीजों को जब्त करने में सफलता हासिल हुई है।

हेमंत सोरेन सरकार का बजट दिशाहीन : चंपई सोरेन

रांची (ए.)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने सोमवार को राज्य सरकार द्वारा पेश बजट को ''दिशाहीन'' करार दिया और कहा कि इसमें आदिवासियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के लिए कुछ भी नहीं है। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.45 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जबकि 2024-25 में यह 1.28 लाख करोड़ रुपये का था। चंपई सोरेन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह एक दिशाहीन बजट है, जिसमें राज्य के आदिवासियों, मूलवासियों, किसानों, मजदूरों एवं युवाओं के लिए कुछ भी नहीं है। कहने को तो इसमें कई बड़ी घोषणाएं की गई हैं, लेकिन पिछले कई वर्षों से हर बार वही कहानी कही जाती है, लेकिन परिणाम कुछ नहीं निकलता है। उन्होंने कहा, ''कागज पर बड़ी-बड़ी योजनाएं घोषित कर रही इस सरकार को कोई याद दिलाये कि उन योजनाओं का क्रियान्वयन भी उनकी ही जिम्मेदारी है। पिछले बजटों की कितनी योजनाएं पूरी हुईं? पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अबुआ बजट के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''जब राज्य में ग्रीन कार्ड के लाभुकों को राशन और वृद्ध/ दिव्यांग/ विधवा लोगों को कई महीनों से पेंशन तक नहीं मिलती हो, तो क्या उम्मीद रखें? उन्होंने दावा किया, ''पेयजल, शिक्षा, चिकित्सा एवं रोजगार के क्षेत्र में सिर्फ हवा-हवाई घोषणाएं हो रही हैं। पेयजल की दर्जनों योजनाएं अधूरी हैं, जबकि लोग डोभे से पानी लेने को मजबूर हैं।

दिल्ली का बजट जनता के सुझावों पर आधारित होगा : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली सरकार 24 से 26 मार्च के बीच बजट पेश करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दावा किया कि आगामी बजट विकसित दिल्ली बजट को जनता के सुझावों के आधार पर तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक प्रेस वार्ता में इस बात की जानकारी दी और कहा कि यह बजट दिल्ली के विकास को तेज गति से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली की जनता ने उनकी पार्टी को पूर्ण बहुमत में जीत दिलाई है और अब उनकी सरकार का उद्देश्य जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना है। सरकार का ध्यान दिल्ली के हर वर्ग के विकास, उन्नति और कल्याण पर है। इस बजट में विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक सहायता, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, प्रदूषण नियंत्रण, सार्वजनिक परिवहन का सुधार, नौकरियों का सृजन, शिक्षा की बेहतर व्यवस्था, गरीबों के लिए सस्ता और पौष्टिक भोजन, नागरिकों के कल्याण और यमुना नदी की सफाई पर ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली का यह बजट जनता का बजट हो। इसमें जनता की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विशेष कदम उठाए हैं। इस प्रक्रिया के तहत दिल्ली सरकार ने एक वेबसाइट और ईमेल आईडी जारी की है, ताकि दिल्ली के नागरिक अपने सुझाव दे सकें। इसके अलावा, दिल्ली सरकार ने विभिन्न समूहों से सुझाव लेने के लिए बैठक आयोजित की हैं। 5 मार्च को महिला संगठनों से संवाद किया जाएगा, जबकि 5 मार्च शाम को शिक्षा क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। 6 मार्च को व्यापारिक और औद्योगिक संगठनों से सुझाव लिए जाएंगे। इसके अलावा, दिल्ली के अन्य वर्गों जैसे किसान, युवा, और अनधिकृत कॉलोनी के लोग भी अपने सुझाव दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि सभी मंत्रिमंडल सदस्य और विधायक जनता के बीच जाएंगे और उनके सुझावों को सुनेंगे। इस प्रक्रिया के दौरान, सरकार का उद्देश्य यह है कि दिल्ली का बजट पूरी तरह से जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए तैयार हो।

कांग्रेस को सिर्फ राहुल दिखते हैं', शामा मोहम्मद के रोहित शर्मा पर टिप्पणी से विवाद, नेताओं ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस की प्रवक्ता शामा मोहम्मद ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को लेकर एक आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिससे सोशल मीडिया पर बवाल मच गया। यह विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है और राजनीति से लेकर खेल जगत तक कई लोग उनकी आलोचना कर रहे हैं। दरअसल, भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में रोहित शर्मा के जल्द आउट होने के बाद शामा मोहम्मद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर रोहित शर्मा को 'मोटा खिलाड़ी' कह दिया। उन्होंने लिखा, रोहित शर्मा एक खिलाड़ी के हिसाब से मोटे हैं! उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! और निश्चित रूप से, वे भारत के सबसे कमजोर कप्तान हैं।

उनकी यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर लोगों को पसंद नहीं आई और इसे रोहित शर्मा का मजाक उड़ाने वाला बयान माना गया। हर तरफ से इसकी कड़ी निंदा हुई। जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी और कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथों लिया। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस को फटकार लगाते हुए राहुल गांधी पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा-कांग्रेस को शर्म आनी चाहिए! अब वे भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान के पीछे पड़ गए हैं! क्या वे अब राहुल गांधी को क्रिकेट खिलाना चाहते हैं, जब वे राजनीति में असफल हो चुके हैं? भंडारी ने यह भी कहा कि यह हर भारतीय क्रिकेट प्रशंसक का अपमान है, जो अपनी टीम के साथ हर हाल में खड़ा रहता है।

चमोली में बर्फीले तूफान और हिमस्खलन ने ली 8 लोगों की जान, बचाव अभियान समाप्त

चमोली (आरएनएस)। उत्तराखंड के चमोली में आए भयंकर बर्फीले तूफान और शुक्रवार सुबह हुए हिमस्खलन में आठ लोगों की मौत हो गई। सेना ने रविवार शाम इसकी पुष्टि की। इसके साथ ही राहत एवं बचाव ऑपरेशन भी समाप्त कर दिया गया। चमोली के माणा इलाके में बीआरओ कैंप के 55 श्रमिक बर्फीले तूफान की चपेट में आ गए थे। इलाके के ब्रिगेड कमांडर, ब्रिगेडियर मनदीप ढिल्लों ने बताया कि इस हादसे में आठ लोगों की मृत्यु हुई है। बचाव अभियान के दौरान रविवार शाम बर्फ में दबा आठवां शव मिला। रविवार शाम चार बजकर 43 मिनट पर अंतिम लापता कर्मचारी का शव बरामद किया गया। इसके बाद मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। हिमस्खलन की चपेट में आए 55 श्रमिकों में से 46 को पहले ही बचा लिया गया था। एक श्रमिक खुद अपने घर पहुंच गया। वहीं, आठ अन्य लापता श्रमिकों के शव बरामद हुए हैं। इनमें से चार के शव रविवार को बरामद हुए। राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी भारतीय सेना ने दुर्भाग्यपूर्ण प्राकृतिक आपदा में अपनी जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की है।

तेज़ रफ्तार स्कॉर्पियो ने ली चार युवकों की जान

बीकानेर (आरएनएस)। बीकानेर में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। शनिवार देर रात नाल थाना इलाके में एनएच-11 (जैसलमेर रोड) पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार चारों युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद स्कॉर्पियो ड्राइवर मौके से फरार हो गया।शादी समारोह से लौट रहे थे युवकनाल एसएचओ विकास विश्नोई के अनुसार, मृतकों की पहचान ओमप्रकाश (29) पुत्र गंगाराम, राहुल (25) पुत्र चोरूराम, कोजुराम उर्फ श्यामलाल (18) पुत्र बिरजूराम और गोरधन (30) पुत्र चोरूराम के रूप में हुई है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना लखनऊ स्थित विधानसभा में बजट सत्र के सदन की कार्यवाही का संचालन करते हुए.

बॉडीकॉन आउटफिट में छाई रकुल प्रीत सिंह, हर एक पोज पर अटक गई फैंस की नजर!

बी-टाउन की खूबसूरत हसीना रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। एक्ट्रेस का हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही ट्रेंड करने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लू कलर का बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बाल, मिनिमल मेकअप और न्यूड लिप्सटिक शेड लगाकर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। तीसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक सिजलिंग एंड हॉट। ऐसे ही एक के बाद एक यूजर फोटोज पर लाइक्स करते हुए अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

पति पत्नी और पड़ोसन पर युक्ति कपूरः मुझे भावनाओं के स्पेक्ट्रम में उतरने की चुनौती दी

ओटीटी प्लेटफॉर्म हंगामा एक और बहुप्रतीक्षित क्राइम थ्रिलर, पति पत्नी और पड़ोसन लेकर आया है। अभिनेत्री युक्ति कपूर को शो में मुख्य किरदार प्रतिभा की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है।

पति पत्नी और पड़ोसन विवाह, विश्वासघात और जुनून की अंधकारमय, पेचीदा गतिशीलता को उजागर करता है। यह शो एक छोटे शहर की जिज्ञासु मध्यवर्गीय गृहिणी प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसका किरदार युक्ति कपूर ने निभाया है। अपनी रहस्यमयी नई पड़ोसी सागरिका के प्रति उसका आकर्षण जल्द ही एक खतरनाक जुनून में बदल जाता है। जैसे ही वह सागरिका के भयावह अतीत को उजागर करती है, प्रतिभा को अपने पति को इस रहस्यमय अजनबी के घातक इरादों का शिकार होने से बचाने के लिए धोखे के जाल से गुजरना पड़ता है।

प्रतिभा के रूप में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, युक्ति कपूर ने कहा, एक ऐसे किरदार को निभाना वाकई रोमांचक था जो एक तरफ तो पालन-पोषण करने वाला है, दूसरी तरफ वह खतरे का सामना करने में भी दृढ़ है। प्रतिभा एक साधारण महिला है जो असाधारण परिस्थितियों में फंसी

हुई है, जिसने मुझे भावनाओं के एक स्पेक्ट्रम में उतरने की चुनौती दी। उसकी यात्रा में बुने गए मनोवैज्ञानिक तनाव और रहस्य ने मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया।

उन्होंने शो के लिए प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ सहयोग करने के बारे में भी बात की। अभिनेत्री ने कहा, चारु और मुओहित ने शो में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, हर दृश्य को अपनी तीव्रता से उभारा। पात्रों के बीच की स्तरित गतिशीलता कथा को मनोरंजक और अप्रत्याशित बनाए रखती है। मैं दर्शकों को पति पत्नी और पड़ोसन के रहस्य और नाटक में डूबे हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ।

शो के पोस्टर में प्रतिभा के रूप में युक्ति कपूर साड़ी पहने हुए हैं और पृष्ठभूमि में एक मध्यम वर्गीय कॉलोनी दिखाई दे रही है।

राज शेट्टी के निर्देशन में बनी पति पत्नी और पड़ोसन में चारू मेहरा और मुओहित जौशी के अलावा अन्य कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

पति पत्नी और पड़ोसन 20 फरवरी, 2025 से विशेष रूप से हंगामा पर स्ट्रीम हो रही है।

शीर्षक को छोड़कर, इस कहानी को प्रोकेरल टीम द्वारा संपादित नहीं किया गया है और यह सिंडिकेटेड फ़ीड से स्वत: उत्पन्न हुई है

छावा ने तोड़ा पुष्पा 2 का रिकॉर्ड, बनी तीसरे शुक्रवार सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म, कलेक्शन 550 करोड़ के पार

विक्की कौशल और लक्ष्मण उटेकर की फिल्म छावा आधिकारिक तौर पर अपने तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर गई है. पिछले 15 दिनों में, इसने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई करके इतिहास रच दिया है. छावा 2025 में अबतक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है. 15 दिनों के बाद फिल्म के कलेक्शन में गिरावट देखी गई है. राहत की बात है कि 15 दिनों के बाद भी विक्की कौशल की फिल्म डबल डिजिट में कमाई कर रही है. आइए जानते हैं कि छावा ने तीसरे शुक्रवार यानी रिलीज के 15वें दिन कितनी कमाई की है.

विक्की कौशल के पीरियड ड्रामा छावा को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 15 दिन हो गए हैं. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने छावा को लेकर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें लिखा है, छावा का विजय अभियान जारी है. छावा ने अपना सेंसेशनल रन जारी रखा है. और इसका इंप्रेसिव वीक 2 बिज इसके अनस्टॉपेबल मोमेंटम को प्रूफ करता है. यह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक है. सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि छावा का लाइफटाइम बिजनेस क्या होगा? ईमानदारी से, भविष्यवाणी करना बहुत जल्दी है. जबकि 500 करोड़ का आंकड़ा आसानी से हासिल किया जा सकता है, सप्ताह 3 के रुझान यह निर्धारित करेंगे कि यह 600 करोड़ को पार कर सकता है या नहीं. छावा के लिए एक बड़ा फायदा यह है कि ईद पर सिकंदर के आने तक इसे बॉक्स ऑफिस पर कोई बड़ी फिल्म की कड़ी टक्कर नहीं मिलने वाली है.] तरण आदर्श के मुताबिक, पहले सप्ताह में लक्ष्मण उटेकर निर्देशित फिल्म 225.28 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. जबकि दूसरे सप्ताह में फिल्म के कलेक्शन में गिरावट देखी गई. दूसरे सप्ताह में छावा ने 186.18 करोड़ रुपये कमाए हैं. इस तरह फिल्म छावा ने 2 सप्ताह में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 411.46 करोड़ रुपये का टोटल कलेक्शन किया है. वहीं, विक्की कौशल स्टारर के 15वें दिन की बात करें तो सैकनिल्क के रिपोर्ट के मुताबिक, छावा ने 15वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को 13.42 करोड़ रुपये कमाए हैं. 15 दिनों के बाद भारत में छावा ने लगभग 424.88 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन किया है.

साउथ स्टार नानी की फिल्म द पैराडाइज का नया मिस्टीरियस पोस्टर जारी, 3 मार्च को मिलेगा बड़ा सरप्राइज

नैचुरल स्टार नानी की मच-अवेटेड फिल्म द पैराडाइज को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ता जा रहा है. जब से इस फिल्म की अनाउंसमेंट हुई है, तब से यह चर्चा में बनी हुई है. खासकर, इसके निर्देशक श्रीकांत ओडेला, जिन्होंने ब्लॉकबस्टर फिल्म दशहरा बनाई थी, उनकी वजह से फिल्म को लेकर लोगों की उम्मीदें और भी ज्यादा हैं. पहले रिलीज हुए पोस्टर ने दर्शकों का ध्यान खींचा था और अब मेकर्स ने एक बड़ा अपडेट दिया है. 3 मार्च को रॉ स्टेटमेंट रिलीज होने वाला है. इस एलान से पहले, मेकर्स ने द पैराडाइज का एक नया पोस्टर रिलीज किया है, जो इंटरनेट पर तहलका मचा रहा है. इस नए पोस्टर ने फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है. मेकर्स ने पोस्टर को कैप्शन के साथ जारी किया जिसमें लिखा, आप अब कभी भी कौवे को पहले की तरह नहीं देखेंगे. इस पोस्टर में एक कौए का क्लोज-अप चेहरा दिख रहा है, जिसकी आंखों में चमकती रोशनी उसे और भी डरावना और रहस्यमयी बना रही है.

गणेश आचार्य ने अनाउंस की नई फिल्म सिर्फ तुम

फिल्म इंडस्ट्री के सफल निर्माता-कोरियोग्राफर गणेश आचार्य ने नई रोमांटिक-एंटरटेनर फिल्म 'सिर्फ तुम' की घोषणा की है। प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म का निर्देशन दिग्गज दीपक शिवदासानी करेंगे। गणेश आचार्य के वी2एस प्रोडक्शन ने फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि वह बेहद उत्साहित हैं।अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर करते हुए गणेश आचार्य ने कैप्शन में लिखा, मकर संक्रांति और पोंगल की शुभकामनाएं। इस शुभ दिन पर मैं पेश कर रहा हूं सिर्फ तुम एक अनोखी प्रेम कहानी। फिल्म की कहानी को दिग्गज दीपक शिवदासानी ने लिखा और निर्देशित किया है। दीपक को 'बागी', 'गोपी किशन', 'भाई' और 'कृष्णा' जैसी लोकप्रिय फिल्मों में उनके शानदार काम के लिए जाना जाता है। फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2025 के पहले सप्ताह में शुरू होगी। फिल्म की शूटिंग सिडनी और ऑस्ट्रेलिया में होगी।

आखिर महिलाएं पुरुषों से ज्यादा क्यों रोती हैं? एक स्टडी में सामने आई वजह

आपने अक्सर अपने आसपास देखा होगा कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले ज्यादा रोती हैं. ऐसा कहा जाता है कि इससे महिलाओं की आंखें बहुत जल्दी खराब हो जाती हैं. लेकिन पुरुषों में आंसू जल्दी नहीं आते. आज हम आपको इसके पीछे का कारण एक अध्ययन के माध्यम से बताएंगे कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं सबसे ज्यादा क्यों रोती हैं...

एक अध्ययन में पता चला

मर्दों और महिलाओं के हार्मोन और रोने के पीछे का कारण पता करने के लिए 2011 में एक अध्ययन किया गया था. इस अध्ययन में कुछ ऐसी रिपोर्ट सामने आईं, जिन्हें जानकर आप हैरान रह जाएंगे. रिपोर्ट के मुताबिक एक महिला एक साल में 30 से 64 बार या इससे भी ज्यादा बार रोती है, वो भी सार्वजनिक तौर पर. वहीं, पूरे साल में पुरुष 05 से 07 बार से ज्यादा नहीं आंसू बहाते हैं, हालांकि पुरुष अकेले रोना पसंद करते हैं.

मर्दों और महिलाओं के हार्मोन

रोने के पीछे का करण शरीर में मौजूद हार्मोन जिम्मेदार होते हैं. शोध के अनुसार, पुरुषों के अंदर वे हार्मोन होते हैं जो महिलाओं के मुकाबले अधिक शक्तिशाली और मजबूत संगठन बनाते हैं. इस हार्मोन का नाम है टेस्टोस्टेरोन. यह वही हार्मोन है, जो किसी मर्द में सबसे अधिक या सबसे कम होता है, जो उस पुरुष की यौन गतिविधि को नियंत्रित करता है. ये वही हार्मोन हैं जो पुरुषों को रुलाते हैं और भावुक कर देते हैं, ये इमोशनल इंटेलीजेंस को कम कर देते हैं और आंसुओं को बहने से रोकते हैं.

क्या कहती है रिसर्च

एक रिसर्च के बाद पुरुषों में कम आंसुओं का कारण प्रोलेक्टन हार्मोन को माना गया है. प्रोलेक्टॉन हार्मोन व्यक्ति को भावुक बनाता है और खुद को अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है. पुरुषों में प्रोलेक्टन हॉर्मोन ना के बराबर होता है और महिलाओं में इसकी मात्रा अधिक होती है. इसलिए अपने अंदर कूट-कूट कर भरे हॉर्मोन के चलते ही महिलाएं ज्यादा रोती और भावुक होती है. वहीं पुरुषों की मर्दानगी वाला हॉर्मोन उन्हें रोने से रोक लेते हैं.

कौन-सा हेयरब्रश आपके बालों के लिए सही है? जानें 5 प्रकार के हेयरब्रश

बालों की देखभाल में सही हेयरब्रश का चयन करना बहुत जरूरी होता है। हर व्यक्ति के बाल अलग-अलग होते हैं इसलिए उनके लिए सही ब्रश का चुनाव भी अलग होता है।

इस लेख में हम आपको पांच प्रकार के हेयरब्रश के बारे में बताएंगे, जो आपके बालों की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।

चाहे आपके बाल सीधे हों या घुंघराले, लंबे हों या छोटे, यहां आपको हर प्रकार के बालों के लिए उपयुक्त ब्रश की जानकारी मिलेगी।

गोल ब्रश से पाएं वॉल्यूम

गोल ब्रश का उपयोग खासतौर पर वॉल्यूम बढ़ाने और कर्ल बनाने के लिए किया जाता है।

यह ब्रश उन लोगों के लिए अच्छा होता है जिनके बाल पतले होते हैं और उन्हें अधिक घना दिखाना चाहते हैं।

गोल ब्रश से ब्लो ड्राई करते समय आप अपने बालों को जड़ों से उठाकर उन्हें अधिक वॉल्यूम दे सकते हैं।

इसके अलावा यह ब्रश कर्लिंग आयरन की तरह काम करता है, जिससे आप अपने बालों में हल्के कर्ल बना सकते हैं।

पैडल ब्रश से पाएं स्मूद लुक

पैडल ब्रश बड़े और चौड़े आकार का होता है, जो लंबे और सीधे बालों को सुलझाने में मदद करता है।

यह उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प होता है, जिनके बाल उलझ जाते हैं या जिन्हें रोजमर्रा में जल्दी तैयार होना पड़ता है।

पैडल ब्रश से आप आसानी से अपने बालों को सुलझा सकते हैं और उन्हें एक स्मूद लुक दे सकते हैं।

इसका उपयोग गीले या सूखे दोनों ही तरह के बालों पर किया जा सकता है।

डिटैंगलर ब्रश से करें उलझे हुए बाल ठीक

डिटैंगलर ब्रश खासतौर पर उलझे और नाजुक बालों को सुलझाने के लिए होता है।

इसके दांत नरम होते हैं, जो बिना खींचे उलझनों को दूर करते हैं, जिससे टूटने का खतरा कम होता है। यह बच्चों और संवेदनशील स्कैल्प वाले लोगों के लिए भी सही होता है क्योंकि इससे दर्द नहीं होता और स्कैल्प पर दबाव नहीं पड़ता।

डिटैंगलर ब्रश गीले या सूखे दोनों तरह के बालों पर इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे आपका अनुभव आरामदायक बनता है।

वेंटेड ब्रश से करें जल्दी ड्राई

वेंटेड ब्रश उन लोगों के लिए आदर्श होते हैं, जिन्हें जल्दी-जल्दी गीले बाल सुखाने होते हैं।

इसमें हवा पास होने की जगह होती है, जो ब्लो ड्राई में मदद करती है। यह खासकर मोटे या घने बालों वाले लोग पसंद करते हैं क्योंकि यह तेजी से बाल सुखाता है।

इसके अलावा वेंटेड ब्रश बालों में अतिरिक्त वॉल्यूम देने में भी सहायक होता है, जिससे बाल ज्यादा भरे-भरे लगते हैं।

टिजिंग कॉम्ब फॉर एक्स्ट्रा लिफ्ट

टिजिंग कॉम्ब एक छोटा लेकिन असरदार उपकरण है, जिसका उपयोग खासकर पतले बालों को घना बनाने के लिए होता है।

यह उन लोगों के लिए सही है, जो अपने हेयरस्टाइल में ज्यादा वॉल्यूम चाहते हैं। टिजिंग कॉम्ब से आप बालों के खास हिस्सों को उठाकर उनमें लिफ्ट ला सकते हैं, जिससे हेयरस्टाइल भरा-भरा और आकर्षक दिखता है।

केकेआर ने लॉन्च की 3 स्टार वाली अपनी नई जर्सी, सोशल मीडिया पर दिखाई झलक

नईदिल्ली, (आरएनएस)। आईपीएल 2025 की तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही हैं और एक के बाद एक फ्रेंचाइजी अपनी नई जर्सी लॉन्च कर रही हैं. इसी कड़ी में अब डिफेंडिंग चैंपियन रही कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी अपनी नई जर्सी लॉन्च कर दी है, जिसमें अब 2 नहीं बल्कि 3 स्टार दिख रहे हैं. फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए इस बात की आधिकारिक घोषणा की है। आईपीएल 2025 की विजेता रही कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपनी नई जर्सी लॉन्च कर दी है. इसके लिए फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया का सहारा लिया और एक वीडियो के जरिए जर्सी जारी की. केकेआर की इस जर्सी में अब 2 नहीं बल्कि 3 स्टार्स हैं, क्योंकि फ्रेंचाइजी के पास अब 3 ट्रॉफीज हैं. करबो-लरबो जीतबो रे के स्लोगन के साथ वीडियो सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक आईपीएल इतिहास में कुल 3 ट्रॉफी जीती हैं. पहली ट्रॉफी 2012 और दूसरी 2014 में जीती थी, जब टीम की कमान गौतम गंभीर के हाथों में थी. वहीं, फ्रेंचाइजी ने अपनी तीसरी ट्रॉफी आईपीएल 2024 में जीती, जब गौतम गंभीर टीम के मेंटॉर थे और कमान श्रेयस अय्यर संभाल रहे थे. केकेआर ने फाइनल मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को एकतरफा अंदाज में हराकर ट्रॉफी उठाई थी। 22 मार्च से आईपीएल 2025 की शुरुआत होने वाली है, लेकिन अभी तक कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने कप्तान की घोषणा नहीं की है. जी हां, श्रेयस अय्यर ने टीम को ट्रॉफी जिताने के बाद मेगा ऑक्शन में जाने का फैसला किया, जहां पंजाब किंग्स ने उन्हें खरीद लिया। इसके बाद से अब तक सस्पेंस बना हुआ है कि केकेआर की कमान अब कौन संभालेगा. रिपोर्ट्स की मानें, तो अजिंक्य रहाणे टीम की कमान संभाल सकते हैं. मगर, अब तक इस मामले पर कोई आधिकारिक अपडेट नहीं आई है।

भारत ने परिस्थितियों के हिसाब से ढलते हुए शानदार प्रदर्शन किया : मैट हेनरी

दुबई, (आरएनएस)। भारत से 44 रन की हार के बाद, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने कहा कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने हालात को अच्छी तरह समझकर शानदार खेल दिखाया। उन्होंने पहले ग्रुप ए के मैचों में दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच से जो अनुभव लिया था, उसका पूरा फायदा उठाया। धीमी पिच पर भारत ने 50 ओवर में 249/9 का स्कोर बनाया, जिसमें श्रेयस अय्यर ने 79 रन और हार्दिक पांड्या ने आखिर में 45 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। जवाब में, वरुण चक्रवर्ती ने अपने सिर्फ दूसरे वनडे मैच में 42 रन देकर 5 विकेट झटके, जिससे न्यूजीलैंड की टीम 45.3 ओवर में 205 रन पर सिमट गई। अब न्यूजीलैंड बुधवार को लाहौर में होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में ग्रुप बी की टॉप टीम दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। हेनरी ने माना कि भारत ने चार मुख्य स्पिनर्स के साथ खेलकर हालात का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने कहा, भारत के पास हालात को अच्छी तरह समझने का अनुभव था, और उन्होंने उसी हिसाब से खेला। हमें पता था कि वे चार फ्रंटलाइन स्पिनर्स के साथ उतरेंगे, और उन्होंने वाकई शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने परिस्थितियों को अच्छी तरह पढ़ा और उसी के अनुसार गेंदबाजी की। हेनरी ने चक्रवर्ती की तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने अपनी स्किल दिखाई, गेंद को दोनों ओर घुमाया, और तेज गेंदें भी डालीं। वह शानदार थे, और उनकी वजह से हम पूरे मैच में दबाव में रहे। भारत के खिलाफ 5 विकेट लेने वाले हेनरी ने कहा कि उनकी टीम सेमीफाइनल में हार की निराशा के साथ नहीं उतरेगी। उन्होंने कहा, हम पूरे टूर्नामेंट में अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। इस मैच से हमने कुछ सीखा है, और जब हम पाकिस्तान में खेलेंगे तो वहां के हालात को समझकर खेलना जरूरी होगा।उन्होंने आगे कहा, हमने वहां त्रिकोणीय सीरीज में कुछ मैच खेले हैं, इसलिए हम सेमीफाइनल के लिए तैयार रहेंगे। जब टूर्नामेंट के इस मुकाम पर पहुंचते हैं तो हर टीम मजबूत होती है।

ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंट में रिकार्ड अच्छा, हमें गलतियों से बचना होगा : रोहित

दुबई (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से पहले कहा कि हमें जीत के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा और पुरानी गलतियों से बचना होगा। रोहित के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम का रिकार्ड आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा रहा है। इसलिए हमें काफी ध्यान से खेलते हुए मैच पर अपना नियंत्रण बनाये रखना होगा। रोहित ने कहा कि हमें बेहतर प्रदर्शन के लिए मैच पर नियंत्रण बनाये रखना होगा। भारतीय टीम ने ग्रुप चरण के अंतिम मैच में न्यूजीलैंड को 44 रन से हराकर ग्रुप ए में नंबर एक स्थान हासिल किया है। अब सेमीफाइनल में भारतीय टीम का सामना ग्रुप बी की दूसरे स्थान की टीम ऑस्ट्रेलिया से होगा। ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद आईसीसी वनडे विश्व कप के रोहित ने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया का अच्छा खेलने का इतिहास रहा है, उसके खिलाफ हमें एकदिवसीय विश्वप में हार का सामना करना पड़ा था। इसलिए हमें मैच के दिन अपने नियंत्रण वाली चीजें सही करनी होंगी। हमें इस पर ध्यान केंद्रित करना होगा कि उस दिन हमें क्या करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कम मैचों वाले टूर्नामेंट में लय बनाए रखना सबसे अहम होता है। हमारी कोशिश हर मैच जीतने की रहेगी। गलतियां होती हैं पर उसे सुधारना सबसे जरुरी है। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले को लेकर कहा कि श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल बीच चौथे विकेट के लिए हुई 98 रन की साझेदारी अहम रही।

आईपीएल 2025 में एक बार फिर पंजाब किंग्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन को तैयार हैं शशांक

नई दिल्ली (ए)। आईपीस में पिछली बार अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाल पंजाब किंग्स के आक्रामक बल्लेबाज शशांक सिंह का लक्ष्य इस बार भी टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना है। शशांक ने पिछले सत्र में अपनी मैच विजेता पारियों से का ध्यान खींचा था। शशांक पिछले साल दुनिया भर में गूगल पर 9वें सबसे अधिक खोजे जाने वाले एथलीट थे। तब उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ केवल 29 गेंदों में 61 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी थी। शशांक ने इस पर कहा, मुझे नहीं पता था कि गूगल दुनिया भर में खोजे जाने वाले लोगों की एक सूची जारी करता है। यह मेरे लिए एक बड़ी बात थी। इससे खुशी हुई थी कि देश और दुनिया भर के लोग मेरा नाम खोज रहे हैं और जान रहे हैं कि मैं क्या करता हूं पर इसका श्रेय मैं श्रेय पंजाब में बिताए अपने समय को देता हूं। उन्होंने कहा कि यह पंजाब किंग्स के कारण ही संभव हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग 11 में कोई बदलाव न करे टीम इंडिया : शास्त्री

दुबई, (आरएनएस)। भारतीय सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री का मानना है कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम को चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में बिना किसी बदलाव के विजयी टीम के साथ उतरना चाहिए। उन्होंने इसका कारण यह बताया कि टीम ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ 44 रन की जीत के दौरान दुबई की परिस्थितियों का अच्छा अनुभव लिया है।

भारत ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए के आखिरी मैच में न्यूजीलैंड को 44 रन से हराकर मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाई है। यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। खास बात यह है कि 2023 वनडे विश्व कप फाइनल के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 50 ओवर के किसी भी

आईसीसी नॉकआउट मुकाबले में यह पहली भिड़ंत हो रही है। उस मैच में भारत को अहमदाबाद में हार का सामना करना पड़ा था।

शास्त्री ने आईसीसी के इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, मुझे लगता है कि टीम में कोई बदलाव नहीं करना चाहिए क्योंकि अगले मैच के लिए केवल 48 घंटे का समय है। पिच पर खिलाड़ियों के दौड़ने से असर पड़ा है और वही पिच अगले मैच में इस्तेमाल होगी। ऐसे में स्पिनरों की भूमिका फिर से अहम रहेगी।

रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में भारत ने दुबई की धीमी पिच को देखते हुए चार स्पिनरों - रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती - को खिलाया था। इन चारों ने कुल मिलाकर 9 विकेट लिए, जिसमें चक्रवर्ती सबसे सफल रहे। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन देकर 5 विकेट लिए, जो इस टूर्नामेंट में अब तक का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। शास्त्री ने सही समय पर चक्रवर्ती को मौका देने के लिए टीम मैनेजमेंट की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अगर आप उनकी मौजूदा फॉर्म देखें, तो यह शानदार है। मैं हमेशा मानता हूं कि वर्तमान फॉर्म सबसे महत्वपूर्ण होती है।

चैंपियंस ट्रॉफी: न्यूजीलैंड पर जीत के बाद विराट कोहली को मिला फील्डर ऑफ द मैच मेडल

दुबई, (आरएनएस)। भारत के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के अंतिम ग्रुप मैच में शानदार फील्डिंग के लिए फील्डर ऑफ द मैच मेडल से सम्मानित किया गया। इस मैच में वरुण चक्रवर्ती ने पांच विकेट लेकर भारत को 44 रन से जीत दिलाई, जिससे टीम ग्रुप ए में शीर्ष स्थान पर रही। अब भारत मंगलवार को दुबई में पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा, जबकि न्यूजीलैंड बुधवार को लाहौर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगा।मैच के बाद भारतीय फील्डिंग कोच टी दिलीप ने ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों की प्रशंसा की और सर्वश्रेष्ठ फील्डिंग के दावेदारों की घोषणा की। इसके बाद ट्रेनिंग असिस्टेंट उडेनाका नुवान सेनेविरत्ने ने यह मेडल कोहली को सौंपा, जो अपने करियर के 300वें वनडे में खेल रहे थे। टी दिलीप ने बीसीसीआई द्वारा उसकी वेबसाइट पर पोस्ट एक वीडियो में कहा, हम हमेशा बेहतरीन फील्डिंग टीम बनने की बात करते हैं। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि खिलाड़ी कितने सक्रिय हैं। अलग-अलग मौकों पर हमने शानदार फील्डिंग की। जब मिचेल बल्लेबाजी के लिए आए, तो हमने उन्हें स्ट्राइक रोटेट नहीं करने दी।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारत का पलड़ा है भारी, मिलेगा ये खास एडवांटेज

दुबई, (आरएनएस)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाना है. इस मैच को जीतने वाली टीम फाइनल की टिकट कटाएगी, तो वहीं हारने वाली टीम का सफर यहीं खत्म हो जाएगा. जबसे ये क्लीयर हुआ है कि पहला सेमीफाइनल भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होना है, तभी से हर तरफ इसी की चर्चा है. तो आइए नॉकआउट मैच से पहले आपको टीम इंडिया के पास मौजूद एक एडवांटेज के बारे में बताते हैं. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ऑस्ट्रेलिया टीम ने अब तक एक भी मैच दुबई के मैदान पर नहीं खेला है. बल्कि गौर करने वाली बात तो ये है कि ऑस्ट्रेलिया ने तो इस मैदान पर

2021 के बाद से ही इस मैदान पर कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला. वहीं, पिछली बार कंगारू टीम ने 2019 में दुबई के मैदान पर आखिरी वनडे मैच खेला था. ऐसे में इन परिस्थितियों में स्टीव स्मिथ की टीम की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। जहां एक ओर ऑस्ट्रेलिया की टीम ने लंबे वक्त से दुबई की पिच पर कोई मैच नहीं खेला, वहीं यहां भारत लगातार क्रिकेट खेल रहा है. जी हां, हाइब्रिड मॉडल में खेली जा रही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत ने अपने तीनों ही लीग मैच इसी मैदान पर खेले हैं, जिसका एडवांटेज भारत को मिल सकता है.चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत ने पाकिस्तान को हराकर 2017 चैंपियंस ट्रॉफी का बदला पूरा किया और अब बाकी ऑस्ट्रेलिया की है. दरअसल, भारत की मेजबानी में खेले गए वर्ल्ड कप 2023 में ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल मैच में भारत को हराकर 140 करोड़ भारतीयों का दिल तोड़ा था. ऐसे में अब भारतीय टीम जीत के साथ उस हार का बदला लेना चाहेगी।

विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले सेमीफाइनल में रच सकते हैं इतिहास

-राहुल द्रविड़-कुमार संगाकारा का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

दुबई, (आरएनएस)।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मंगलवार (4 मार्च) को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। विराट कोहली के पास इस मुकाबले में खास रिकॉर्ड्स बनाने का मौका होगा। कोहली अगर इस मैच में एक कैच पकड़ लेते हैं तो भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर फील्डर सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। कोहली के अब 548 इंटरनेशनल मैच की 657 पारियों में 334 कैच हो गए हैं। इस लिस्ट में वह राहुल द्रविड़ के साथ संयुक्त रूप से पहले नंबर पर है, जिन्होंने 509 मैच की 571 पारियों में 334 कैच लिए हैं। इसके अलावा अगर दो कैच पकड़ने हैं तो वनडे में बतौर फील्डर सबसे ज्यादा कैच के मामले में रिकी पोंटिंग (160 कैच) को पछाड़कर दूसरे नंबर पर आ जाएंगे। कोहली ने अभी तक इस फॉर्मेट में 159 कैच पकड़े है।

पोप की सेहत में सुधार, वेंटिलेटर हटाया, पर खतरा बना हुआ है

वेटिकन(ए)। लंबे समय से बीमार चल रहे पोप फ्रांसिस की हालत फिलहाल स्थिर है और अब उन्हें किसी भी तरह के वेंटिलेशन की जरूरत नहीं है। यह संकेत है कि उन्होंने शुक्रवार को आई सांस की तकलीफ को सफलतापूर्वक पार कर लिया है और उनकी फेफड़ों की स्थिति में सुधार हो रहा है। हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि अभी खतरा पूरी तरह टला नहीं है। पोप फिलहाल निमोनिया के दोहरे वार से उबर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पोप अभी भी हाई-फ्लो ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं, लेकिन शुक्रवार को आए तेज खांसी के दौरे के बाद उनके स्वास्थ्य को लेकर जो चिंता थी, वह अब कुछ हद तक कम हो गई है। डॉक्टरों ने रविवार को उनकी सेहत के बारे में बताया कि वे स्थिर हैं, लेकिन अभी भी पूरी तरह खतरे से बाहर नहीं हैं।पोप की बीमारी के कारण दुनिया भर से उनके लिए दुआएं और प्रार्थनाएं की जा रही हैं। इस समय वेटिकन में पवित्र वर्ष मनाया जा रहा है, जिसके कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोम आ रहे हैं।पोप फ्रांसिस 14 फरवरी से रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती हैं। रविवार को उन्होंने सुबह वेटिकन के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट कार्डिनल पिएत्रो पैरोलिन और उनके चीफ ऑफ स्टाफ आर्चबिशप एडगर पेना पार्रा से मुलाकात की।

अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है जापान, जन्मदर में जारी गिरावट

टोक्यो (ए)। गिरती जन्म दर के कारण जापान आज अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। अपनी उन्नत तकनीक और विज्ञान के लिए दुनियाभर में मशहूर जापार में जन्मदर में लगातार गिरावट देखी जा रही है, जिससे भविष्य में जापान की आबादी विलुप्त होने की कगार पर पहुंच सकती है। हाल ही में जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024 में जापान में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या केवल 7,20,988 रही, जो 2023 की तुलना में पांच प्रतिशत कम है। इसके विपरीत, 2024 में देश में 16,18,684 मौतें दर्ज की गईं, जो जन्मदर की तुलना में दोगुनी हैं। जनसंख्या विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यही प्रवृत्ति जारी रही, तो 2720 तक जापान में केवल एक बच्चा जन्म लेगा। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो जापान दुनिया का पहला देश बन सकता है, जिसकी आबादी पूरी तरह खत्म हो जाएगी। जापान की जनसंख्या 2008 में अपने चरम पर 12.81 करोड़ थी, लेकिन तब से इसमें लगभग 50 लाख की कमी आ चुकी है। अनुमान है कि 2048 तक जनसंख्या 10 करोड़ से नीचे और 2060 तक 8.7 करोड़ पर आ जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार, जापान में घटती जन्मदर के पीछे कई कारण हैं। इनमें प्रमुख कारण कम होती शादियां, आर्थिक अस्थिरता, महिलाओं की रोजगार स्थिति और समाज में पारंपरिक लिंग भूमिकाएं हैं। जापान में शादी के बिना बच्चों का जन्म बहुत कम होता है, जबकि पुरुषों से उम्मीद की जाती है कि वे आर्थिक रूप से स्थिर हों। कई युवा जापानी नौकरी की अस्थिरता के कारण शादी नहीं कर पा रहे हैं, जिससे जन्मदर प्रभावित हो रही है। जापान सरकार ने इस संकट से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें सरकारी डेटिंग ऐप लॉन्च करना, चाइल्ड केयर सुविधाएं बढ़ाना और हाउसिंग सब्सिडी देना शामिल है।

UAE में भारतीय महिला को दी गई फांसी, केंद्र ने हाईकोर्ट में कहा- हमें 13 दिन बाद पता चला

नई दिल्ली (ए.)। उत्तर प्रदेश की रहने वाली शहजादी खान को संयुक्त अरब अमीरात में 15 फरवरी 2025 को फांसी दे दी गई। दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय दूतावास शहजादी के परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है। अंतिम संस्कार 5 मार्च 2025 को किया जाएगा।दिल्ली हाईकोर्ट को उसके पिता की तरफ से उसकी सलामती की याचिका पर सुनवाई करते हुए बताया गया और तस्दीक की गई की महिला को फांसी दी जा चुकी है। इसकी जानकारी मिलने के बाद जस्टिस सचिन दत्ता ने इसे बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। शहजादी नाम की इस महिला को फांसी दिए जाने का मामला पिछले 4 माह से भारतीय मीडिया में सुर्ख़ियों में बना हुआ था, और इस बात को लेकर संशय की स्थिति थी कि महिला को फांसी होगी या उसे भारत सरकार के दखल के बाद माफ़ी या उसकी सजा को उम्र कैद में बदल दिया जाएगा केंद्र सरकार ने बताया कि दुबई स्थित दूतावास के अफसर शहजादी के परिवार के लिए इस बात का इंतज़ाम कर रहे हैं कि वो लोग अबू धाबी में अपनी बेटी के अंतिम संस्कार में शामिल हो सके।

ट्रंप से नोकझोंक के बाद भी अमेरिका के साथ मिनरल्स डील को तैयार यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की, बहस को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली (ए)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की नोकझोंक के कारण मिनरल्स डील कैंसिल हो गई थी। इस डील को लेकर अमेरिका लंबे समय से यूक्रेन पर दबाव बना रहा था, लेकिन बहस के कारण पूरे प्लान पर पानी फिर गया था। हालांकि जेलेंस्की ने फिर कहा कि वे मिनरल्स डील करने के लिए तैयार हैं। इंटरव्यू के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि मिनरल डील लगभग तैयार है, जिसके कागजात भी बन चुके हैं। उस पर केवल दोनों देशों के साइन बाकी हैं। जेलेंस्की ने कहा यदि अमेरिका तैयार है तो मेज पर मौजूद समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम बातचीत को खत्म करने के बजाय आगे बढ़ाना चाहते हैं।जेलेंस्की ने कहा कि उनका कभी भी किसी का अपमान करने का इरादा नहीं था। उन्होंने कहा कि मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि यूक्रेनी स्थिति सुनी जाए। उन्होंने कहा कि मैंने 12 घंटे ट्रेन में ट्रैवल किया, फिर मैंने 11 घंटे उड़ान भरी, क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति ने मुझे इनवाइट किया

था। यह मेरे लिए गर्व की बात है। आगे कहा कि व्हाइट हाउस में हुई बातचीत को पूरी तरह खुला नहीं रखना चाहिए था, क्योंकि इससे दुश्मन फायदा उठा सकते हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि जो भी उस दिन व्हाइट हाउस में हुआ वे उस पर कोई बातचीत नहीं करना चाहते हैं।

यूक्रेन में मौजूद दुर्लभ खनिज को पाने के लिए ट्रंप शुरुआत से ही आक्रामक तेवर अपनाए हुए थे. ये तेवर काम भी आए. दोनों देशों के बीच मिनरल्स डील सहमति बन चुकी थी, बस इसे अमलीजामा पहनाना बाकी था. लेकिन बातचीत के दौरान हुई बहस ने सब पर पानी फेर दिया. इस डील के अनुसार अमेरिका यूक्रेन की मदद तभी करेगा जब उसे 500 बिलियन डॉलर (लगभग 43 लाख करोड़ रुपये) के दुर्लभ खनिज उसे दिए जाएंगे. यूक्रेन के पास टाइटेनियम, लिथियम, यूरेनियम समेत 100 से ज्यादा अहम खनिजों का भंडार हैं. इसके लिए ही जेलेंस्की तैयार हुए थे।

संघर्ष के कारण महीनों तक बंद रहने के बाद इजरायल में फिर से खुले स्कूल

यरूसलम (ए.)। उत्तर इजरायल में लगभग डेढ़ साल बाद स्कूल दोबारा खुले हैं। अक्टूबर 2023 में लेबनान सीमा पर इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद ये स्कूल बंद कर दिए गए थे। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, इजरायली शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि स्कूलों को धीरे-धीरे खोला जाएगा क्योंकि युद्ध के दौरान स्कूलों की इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, और बहुत से छात्र अपने परिवारों के साथ देश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में चले गए थे।रविवार को अभिभावकों के लिए जारी एक सूचना में मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर 2023 में उत्तरी इजरायल के 43 शहरों, कस्बों और गांवों के 195 स्कूलों और किंडरगार्टन के करीब 12,600 छात्रों को उनके परिवारों के साथ निकाला गया था।

चीन की चालबाजी से परेशान ताइवान भी नागरिकता कानूनों को बना रहा सख्त

ताइपे, (ए.)। चीन की नीतियों के चलते ताइवान अपने नागरिकता कानूनों को कड़ा करने पर विचार कर रहा है। ताइवान सरकार हांगकांग और मकाऊ के निवासियों के लिए नागरिकता पाने के वैकल्पिक रास्ते को खत्म करने और स्थायी निवास की पात्रता की शर्तों को सख्त करने पर विचार कर रही है। एक रिपोर्ट में एक अधिकारी ने बताया कि ताइवान सरकार हांगकांग और मकाऊ के निवासियों के लिए आव्रजन कानूनों में बदलाव कर सकती है। इसका मकसद चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) को ताइवान में घुसपैठ करने से रोकना है। प्रस्तावित बदलावों के तहत चीन के क्षेत्रों से आने वाले लोगों को ताइवान में स्थायी निवास पाने से पहले चार साल तक रहना होगा, जबकि अब यह समय एक साल है। इसके बाद वे स्थायी निवास प्राप्त करने के बाद ताइवान की नागरिकता के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। रिपोर्ट में अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित बदलावों के तहत, हांगकांग या मकाऊ के उन निवास आवेदकों की कड़ी जांच की जाएगी, जिन्होंने सीसीपी, चीनी सेना या चीनी सरकारी संस्थाओं के लिए काम किया है और उनके आवेदनों को संभवत: अस्वीकार किया जा सकता है। यह कदम ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कानूनी सुधार का हिस्सा है। ताइवान, हांगकांग में बदलती स्थिति को देखते हुए इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। 1997 के बाद से 2 मिलियन से ज्यादा चीनी लोग हांगकांग में बस चुके हैं। बता दें 1997 में ब्रिटन ने हांगकांग को चीन को सौंपा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीजिंग ने 2020 में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने के बाद हांगकांग की स्थिति को काफी बदल दिया और चीनी प्रभाव को बढ़ाया। इन सब के चलते हांगकांग के लोगों के लिए ताइवान की आसान आव्रजन नीतियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ी समस्या बन गईं। अधिकारी ने बताया कि चाहे वे ताइवानी से शादी करके आए हों, निवेश के जरिए आए हों या पेशेवर कौशल के आधार पर निवास प्राप्त किया हो, हांगकांग के प्रवासी अक्सर दूसरे साल में ही स्थायी निवास के लिए आवेदन करते हैं।

कुबेरेश्वर धाम ने इस क्षेत्र को दी है नई धार्मिक पहचान : मुख्यमंत्री डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ यादव कुबेरेश्वर धाम में आयोजित रुद्राक्ष महोत्सव में हुए शामिल

सीहोर,(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज कुबेरेश्वर धाम सीहोर में आयोजित रुद्राक्ष महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने व्यास पीठ का पूजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन-मृत्यु व्यक्ति के हाथ में नहीं है, लेकिन संत धर्म की राह दिखाकर सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर व्यक्ति के जीवन को सार्थक बनाते हैं। धार्मिक, सांस्कृतिक तथा नैतिक मूल्यों की स्थापना तथा समाज और राष्ट्र के निर्माण में संतों और गुरुओं की सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि पंडित प्रदीप मिश्रा लोगों में ईश्वर के प्रति आस्था और भक्ति जागृत कर उनका धार्मिक, आध्यात्मिक उत्थान कर रहे है। उन्होंने कहा कि पंडित प्रदीप मिश्रा भोपाल के निकट सीहोर में कुबेरेश्वर धाम की स्थापना कर इस क्षेत्र को एक नई धार्मिक पहचान दी है। उन्होंने कहा कि दुनियां के दो सौ से अधिक देशों में भारत सबसे बडा लोकतांत्रिक देश है और सबसे बडे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज

कुंभ में गंगा स्नान कर पूरी दुनिया को देश की सनातन संस्कृति के प्रति देशवासियों की अटूट आस्था का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को सभी संतो का मार्गदर्शन मिला रहा है। समय-समय पर हम और हमारी सरकार उनसे कई अवसरों पर विचार-विमर्श भी करते है। उन्होंने कहा कि संतो से हमें सरकार चलाने का आत्मबल मिलता है जिससे हम अधिक मजबूती के साथ प्रदेश के विकास और नागरिकों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने प्रदेशभर में गौशालाओं का निर्माण किया है और गौशालाओं में गौमाता के लिए प्राकृतिक परिवेश उपलब्ध करा रहे हैं। गौ-माता परमात्मा की हम पर असीम कृपा है। गौ-माता प्रकृति और परमात्मा के बीच संबंध का सूत्र है। बेसहारा, अशक्त और वृद्ध गौ-माताओं के आश्रय के लिए भोपाल सहित सभी बडे नगर निगमों में 10 हजार क्षमता की गौ-शालाएं बनाई जाएगी। दुग्ध उत्पादन पर भी प्रोत्साहन स्वरूप बोनस प्रदान किया जाएगा। दस से अधिक गाय पालने वालों को अनुदान दिया जाएगा। गांव-गांव में गोपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही गौशाला चलाने वालों को प्रति गाय 20 रुपये के स्थान पर 40 रुपये का अनुदान देकर गौ-शालाओं को सक्षम बनाया जाएगा।

जिले में भव्यता के साथ मनाई जायेगी डॉ.अम्बेडकर संयुक्त जयंती

धनराज थरेले जयंती अध्यक्ष व सुरेश जांगड़े बने चलसमारोह अध्यक्ष

सीहोर(निप्र)। डॉ. अंबेडकर धर्मशाला सीहोर में 14 अप्रैल को संयुक्त जयंती कार्यक्रम को लेकर कमलेश दोहरे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष उपाध्यक्ष का एवं चल समारोह अध्यक्ष चयन किया गया बहुजन उत्सव समिति सीहोर अध्यक्ष धनराज सिंह थरेले जी को बनाया गया चल समारोह अध्यक्ष सुरेश जांगड़े को बनाया गया शहरी क्षेत्र अध्यक्ष प्रवेश परिहार को बनाया गया उपाध्यक्ष विक्की महोबिया को बनाया गया महिला शक्ति महिला विंग सरिता दोहरे जी जी को बनाया गया मुख्य रूप से कमलेश दोहरे, एन.पी. सागर, धनराज थरेले, हरिओम बौद्ध, गेंदालाल सूर्यवंशी, महेश सूर्यवंशी, राजेश जांगड़े, अर्जुन बड़ोदिया, दीपक बड़ोदिया, राकेश जांगड़े, सचिन कटारिया, लाड़ सिंह कटारिया, नईम खान, कपिल चौधरी, वीरू जाटव, जितेंद्र मंगरोलिया, हरि सिंह परिहार, हरि बाबा परिहार, आनंद बरेला, अजय नागोलिया, जसपाल सिंह राणावत, अभिषेक सूर्यवंशी, अनिल मालवीय, शुभम, जयदीप नागवंशी, रीतिक पुरबिया, नरेंद्र सूर्यवंशी, तेजपाल सिंह चौहान, जोरावर सिंह, अखिलेश मालवीय, सोमनाथ धावरे, विक्की जाटव, शैलेंद्र दोहरे, नीरज, करण सिंह राठौड़, कैलाश बनोरिया, चेतन सूर्यवंशी, हरिओम, अभिषेक मालवीय, रवि गैहरवाल, संजीव बामनिया, नवीन महोबिया, सचिन जाटव, विशाल मालवीय, राजकुमार मालवीय, गोपाल मालवीय, नीरज जावरिया, सरिता दोहरे, कृष्णा सूर्यवंशी, पवन सूर्यवंशी, राहुल सूर्यवंशी, मिथुन जांगड़े , वीरेन्द्र जांगड़े, दिनेश जांगड़े, जितेंद्र मालवीय सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। आगामी 9 मार्च दिन रविवार 2025 को सुबह 10:00 बजे अंबेडकर धर्मशाला में मीटिंग रखी जाएगी जिसमें डॉ. अम्बेडकर जयंती व चलसमारोह के मुख्य अतिथि को लेकर चर्चा की जाएगी। जो भी सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता देंगे उनके नाम दर्ज किए जाएंगे व आगामी रूपरेखा तय की जावेगी।

रेलवे स्टेशन पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कलेक्टर-एसपी ने लिया स्टेशन का जायजा

सीहोर(निप्र)। कुबेरेश्वर धाम पर आयोजित कथा के समापन के पश्चात श्रद्धालु अपने घर लौटने के लिए बडी संख्या में सीहोर के रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की अत्याधिक भीड को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर बालागुरू के. तथा एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने सीहोर रेलवे स्टेशन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधाओं एवं सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

नेशनल लोक अदालत में विद्युत छूट के लिए प्रचार रथ रवाना किया

सीहोर(निप्र)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं प्रधान जिला न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा के निर्देशानुसार 08 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत एवं विद्युत विशेष छूट के व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रांगण से विशेष न्यायाधीश हेमंत जोशी एवं न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती स्वप्नश्री सिंह द्वारा हरी झण्डी दिखाकर प्रचार रथो (वाहनों) को रवाना किया गया। प्रचार वाहनों द्वारा जिंगल्स, पम्पलेट्स एवं फ्लेक्स बैनरों के माध्यम से जिले के विभिन्न शहरी व सुदूरवर्ती ग्रामों में नेशनल लोक अदालत एवं विद्युत विशेष छूट का प्रचार-प्रसार किया जावेगा।

कैबिनेट मंत्री द्वारा यह कहना कि लोगों को सरकार से भीख मांगने की आदत दुर्भाग्यपूर्ण कथन : राजीव गुजराती

कैबिनेट मंत्री की इस निंदनीय टिप्पणी पर कांग्रेसजनों जलाया पुतला

सीहोर(निप्र)। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल ने शनिवार को जनता के मांग पत्रों को ही भीख करार दे दिया। उन्होंने कहा- अब तो सरकार से भीख मांगने की आदत लोगों को पड़ गई है। नेता जब भी कहीं आते हैं तो जनता द्वारा इतने मांग पत्र सौंप दिये जाते हैं कि एक टोकना (टोकरी) तो कागज मिलते हैं उनको। मंच पर माला पहनाएंगे और एक पत्र पकड़ा देंगे।

पटेल राजगढ़ जिले में सुठालिया में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इस पर जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जिला मीडिया प्रभारी हर्ष जैन की उपस्थिति में स्थानीय बस स्टेण्ड पर कैबिनेट मंत्री का पुतला दहन किया गया और कैबिनेट मंत्री की जनता विरोधी इस सोच पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती ने कहा कि भाजपा के मंत्रियों की जनता विरोधी ऐसी सोच से भाजपा का असली चेहरा सामने आता है, जबकि शासकीय व्यवस्था जनता की गाढ़ी कमाई से ही चलती है और जनता जनार्धन को यह पुरा हक है कि वह अपनी मूलभूत सुविधाओं को सरकार से पूर्ण करायें। जब वोट मांगने का समय आता है तो यही नेता जनता के सामने हाथ जोडक़र वोट मांगकर उनकी हर समस्याओं का निराकरण करने का वादा करते हैं और अब जब भाजपा सरकार से ना तो महंगाई कम हो पा रही है और ना ही जनता की समस्याओं का निराकरण हो पा रहा है, इसी का परिणाम है कि यह जहां भी जाते हैं जनता इनको फूल मालाओं से पहले मांग पत्र थमा देती है, यदि भाजपा के यह मंत्री झुठी वाहवाही बटोरने की जगह समय रहते जनता की समस्याओं का निराकरण करते तो मांग पत्रों से इनकी टोकरी क्यों भराती।

वहीं सोमवार को को जब मुख्यमंत्री मोहन यादव सीहोर आये और बोले कि महिला बाल विकास से नहीं मिटेगा कुपोषण,गाय के दूध से कुपोषण होगा खत्म होगा।

शासकीय सेवकों के एनपीएस में मिसिंग क्रेडिट राशि खाते में जमा होगें

सीहोर(निप्र)। राज्य सरकार ने कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मिसिंग क्रेडिट की राशि अभिदाताओं के खातों में जमा करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब अशंदायी पेंशन योजना (NPS) में मिसिंग क्रेडिट की राशि अभिदाता के खातों में जमा किये जायेगें। अभिदाताओं के खातों में मिसिंग क्रेडिट की राशि जमा करने के लिये 15 मार्च 2025 तक विशेष अभियान चलेगा। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा ने इस संबंध में विभागीय स्तर पर निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं। राज्य शासन के अधीन सिविल सेवा के पदों पर एक जनवरी 2005 को या उसके बाद नियुक्त होने वाले शासकीय सेवकों पर अंशदायी पेंशन योजना (एनपीएस) लागू है। इसमें शासकीय सेवकों के वेतन से कर्मचारी अंशदान एवं शासकीय अंशदान संबंधित के परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नम्बर (प्रान) में जमा किया जाता है। ऐसे शासकीय कर्मचारी, जो प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं और उनके अंशदान उनके प्रान में जमा नहीं हुए है, ऐसे प्रकरणों में मिसिंग क्रेडिट (गुमसुदा कटौत्री) की समस्या होती है। गुमशुदा कटौत्री की समस्या के समाधान के लिए कोष एवं लेखा द्वारा आईएफएमआईएस में सुविधा विकसित की गयी है। ऐसे शासकीय सेवक, जो प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ है, उनके अंशदान के चालानों का विवरण कोषालय अधिकारी द्वारा आईएफएमआईएस में भरा जायेगा एवं रिफण्ड देयक तैयार कर अंशदान जमा करने की कार्यवाही की जाएगी।

2 अप्रैल से 6 अप्रैल तक श्री राम मंदिर राठौर समाज कस्बा में होगी प्राण प्रतिष्ठा

सीहोर(निप्र)। आज यज्ञ स्थल पर यज्ञशाला का भूमि पूजन कर ध्वज वंदन हंसदास मठ मंदिर के महंत श्री हरिराम दास जी महाराज सीहोर नगर के पुरोहित अखिल भारतीय ज्योतिष आचार्य पंडित पृथ्वी वल्लभ जी द्वारा संपन्न कराया गया आपके द्वारा 51 वी प्राण प्रतिष्ठा भव्य रूप से संपन्न कराई जावेगी

इस आयोजन हेतु राठौर समाज के अध्यक्ष श्री मोहनलाल राठौर एवं समाज बंधुओ की सहमति से कार्यक्रम के कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौर कक्का को एवं उपाध्यक्ष आलेख राज राठौर को बनाया गया कार्यक्रम के मुख्य यजमान प्रहलाद सिंह जी राठौर रहेंगे इस अवसर पर राठौर समाज के पुजारी पंडित रामदास जी पूर्व अध्यक्ष घासीराम जी राठौर पूर्व अध्यक्ष रमेश चंद्र राठौर सचिव रामचरण जी राठौर महेश कुमार जी राठौर सचिव हुकुम सिंह जी राठौर जय माता दी महेंद्र सिंह राठौर पप्पू भैया राठौर डॉक्टर मुकेश राठौर मीडिया प्रभारी रवि राठौर हरीश राठौर दिनेश राठौर बद्री प्रसाद जी राठौर मिश्रीलाल जी राठौर अशोक राठौर जी बाबूलाल जी राठौर ओमप्रकाश जी राठौड़ फल फ्रूट मनीष राठौर अभिलेख राज राठौर राजेश राठौर राजू राहुल राठौर विनोद राठौड़ संतोष राठौर सुशील चौकसे महेश यादव मुकेश राय अन्य समाज जन उपस्थित थे

स्व. रमेश गोहिया स्मृति साहित्य साधक सम्मान गीतकार रामकिशोर नाविक को दिया जाएगा

जन्म जयंती पर 10 मार्च को होगा काव्य समागम एवं सम्मान समारोह

सीहोर(निप्र)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद जिला सीहोर तथा सृजन साहित्य परिषद के बैनर तले आगामी 10 मार्च 2025 को प्रदेश के वरिष्ठ गीतकार स्व. रमेश गोहिया की जन्म जयंती पर होने वाले काव्य समागम एवं सम्मान समारोह में गीतकार स्व. रमेश गोहिया स्मृति साहित्य साधक सम्मान से इटारसी के वरिष्ठ गीतकार रामकिशोर नाविक को अलंकृत किया जाएगा। इसकी घोषणा चयन समिति द्वारा कर दी गई है। ज्ञात रहे कि विगत दिनों चयन समिति का गठन किया गया था जिसमें वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार पंडित शैलेष तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. प्रदीप एस. चौहान एवं साहित्य परिषद अध्यक्ष डॉ. विजेंद्र जायसवाल के नाम शामिल थे। सम्मान समारोह का आयोजन नगर के रुकमणी गोबिंद गार्डन में सुबह 11 बजे से किया गया है।

पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत हितग्राही सम्मेलन आयोजित

43 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों को आवास निर्माण की दी गई तकनीकी जानकारी

सीहोर(निप्र)। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन कि निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत जिले को प्राप्त लक्ष्य को समय सीमा में पूरा करने के लिए क्लस्टर लेवल पर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, ताकि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास निर्माण के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया जा सके तथा आवासों का निर्माण समय सीमा में हो सके। सम्मेलन में मकान का नक्शा लेआउट सहित चरण दर चरण निर्माण की पूरी जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में आष्टा जनपद के ग्राम कुरावर एवं खजूरिया कासम में 10 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों, सीहोर जनपद के श्यामपुर में 13 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों, इछावर जनपद के ग्राम बावडियाचौर एवं अबिदाबाद में 09 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों एवं भैरूंदा जनपद के ग्राम बोरखेडा कला में 11 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। हितग्राही सम्मेलन में हितग्राहियों को बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सीहोर जिले को 24,388 आवासों का नवीन लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस लक्ष्य के तहत सीहोर जिले में नवाचार कर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राहियों के लिए जिले के प्रत्येक कलस्टर में हितग्राही सम्मेलन आयोजित किये जा रहे हैं। आयोजित हितग्राही सम्मेलन में हितग्राहियों एवं आमजनों को आवास योजना के बारे विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत प्रथम किस्त में प्लिंथ निर्माण के लिए 25,000 रूपये, दूसरी किस्त में दीवार चुनाई के लिए 40,000 रूपये, तीसरी किस्त में छत निर्माण के लिए 40,000 रूपये, चौथी किस्त में मनरेगा एवं मजदूरी भुगतान के लिए 35,000 रूपये की राशि प्रदान की जाती है। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों के रोजगार सहायक, सचिव, उपयंत्री, मनरेगा अधिकारी, प्रधानमंत्री आवास प्रभारी, राजमिस्त्री का कार्य करने वाले आजीविका ग्रुप एवं हितग्राही उपस्थित थे।

गांव के ऊंची जाति के लोगों ने बंशकार समाज के परिवार पर भांजे लात घुसे डंडे हुक्का पानी किया बंद

हरिजनों को अगर गांव व बस्ती वालों ने किसी प्रकार की सामग्री या मजदूरी पर बुलाया तो लगेगा ? 100000 का जुर्माना

बुधनी -बकतरा (संजय कलमोर) मामला दबंग के घर के सामने घर बनाने का हो, या गांव में रहने का या कुछ और बकतरा के बंशकार समाज के लोग जाति पंचायतों के फैसलों के आगे लाचार हैं सामाजिक बहिष्कार उनका गला घोंट रहा है उनका निवाला तक छिन रहा है पुलिस में रिपोर्ट के बावजूद इन पंच-पटेलों का बाल तक बांका नहीं होता नजर आ रहा है सीहोर जिले तहसील बुधनी के बकतरा में रंजिश के चलते बंसकार परिवारों का हुक्का-पानी बंद करने का मामला प्रकाश में आया है वहीं पीड़ित परिवार का आरोप है कि गांव-खेत के कुछ प्रभावशाली लोगों ने उनके खिलाफ पंचायत बैठाकर यह तुगलकी फरमान जारी किया है पंचायत के इस फैसले के बाद इन परिवारों ने पुलिस-प्रशासन से सुरक्षा की गुहार लगाई है।

उपरोक्त विषयंर्त लेख है कि बकतरा तहसील शाहगंज विधान सभा बुदनी जिला सीहोर म0प्र0 मैं विगत दिनांक 24.02.2025 के शाम करीब 7:30 बजे की बात है बकतरा निवासी राधेश्याम बंशकार ने बताया की मेरा पडोसी रूपसिंह मेरे घर आया और कहने लगे कि तुम बसोड नीच जाति के हो मेरे घर के सामने मकान मत बनाओ, मैने कहा की यह मेरी नीजी जगह है मैं यही मकान बनाउगा तो वह इसी बात पर मुझे मॉ बहन की गंदी गंदी गाली देने लगा गाली गुफ्तार की आवाज सुनकर रूप सिंह चौहान के दोने लडके सोनू चौहान एवं प्रभात चौहान एवं उसका भाई मोहन भी घर पर आ गये एवं मॉ बहन की गंदी गंदी गालीयां देने लगें।

इतने में रूपसिंह ने वही पर पड़ें डंडे को उठाकर मेरे सिर में मार दिया बीच बचाव करने मेरा लडका दीनबंधू मेरा नाती सागर मेरी भाभी सुखवती बंशकार पत्नी भोली बाई, भतीजा दुर्गेश एवं बडे भाई प्रेमसिंह लडका दीपेश आये तो चारो ने उन सभी के साथ भी डंडे एवं हाथ मुक्को से मारपीट की मारपीट में मुझे सिर में ओर लडके दीनबंधु सिंर में, बाये आँख के नीचे गर्दन में, नाती सागर को दाहिने हाथ की कोहनी एंव गर्दन में ,भाभी सुखक्ती बाई दाहिने हाथ में, पत्नी भोली बाई को दाहिने हाथ की कलाई, मे, दुर्गेश को वाये हाथ की कोहनी एवं दाहिने पैर एवं बड़े भाई प्रेमसिंह को दाहिने हाथ की कोहनी एवं पीठ में चोट आयी है, जाते जाते चारो बोल रहे थे की आज तो बच गये अगर हमारे घर के सामने मकान बनाया तो जान से खतम कर देगें घटना परिवार के लोगो ने देखी है, व बीच बचाव किया है इसके पश्चात मैने शाहगंज थाने में जाकर रिर्पोट दर्ज कराई,

ईव्हीएम के बाद अब पेपरलेस बूथ के माध्यम से चुनाव पर विचार

सीहोर(निप्र)। पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव में ईव्हीएम के बाद अब पेपरलेस बूथ की कल्पना को मूर्त दिया जा रहा है। पंचायत उप निर्वाचन में चुनाव पेपरलेस बूथ के माध्यम से सफलतापूर्वक कराये जा चुके हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने यह बात राज्य निर्वाचन आयोग की 31वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस में कही। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कराये जाने वाले पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन लोकतंत्र की प्रयोगशाला और परीक्षण स्थली हैं। पूरी दुनिया के साथ भारत का यह अनुभव है कि जब भी निर्वाचन संबंधी कोई महत्वपूर्ण प्रयोग होते हैं, तो सबसे पहले स्थानीय निर्वाचनों में होते हैं। जब महिलाओं को प्रतिनिधि संस्थाओं में आरक्षण का विचार आया, तो सबसे पहले पंचायतों और स्थानीय निकायों में इसे लागू किया गया। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन लोकतंत्र की नींव हैं। यह चुनाव पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता से कराना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस चुनाव के माध्यम से नागरिक सीधे शासन और निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदार बनते हैं। ऑनलाइन वोटिंग पर चर्चा करते हुए कहा कि यह प्रयोग पहली बार एस्टोनिया में किया जा चुका है। प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे परिवर्तनों के मद्देनजर यह जरूरी है कि हम चुनाव प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रक्रिया में बदलाव करते रहें।

बहनों के लिए मददगार साबित हो रही लाड़ली बहना योजना

सीहोर(निप्र)। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सहायता के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना

योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार दो सौ पचास रूपये की राशि सीधे उनके बैंक खाते में हस्तांतरित की जा रही है। जिसे महिलाएं अपनी आवश्यकतानुसार खर्च कर रही है। सीहोर निवासी श्रीमती कविता जोगी भी लाड़ली बहना योजना से लाभान्वित महिलाओं में से एक है। श्रीमती कविता बतातीं हैं कि लाड़ली बहना योजना से मुझे जो राशि मिली है, उसे मैं अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में उपयोग कर रही हूं। श्रीमती कविता कहतीं हैं कि अब मुझे अपने छोटे-मोटे खर्चों के लिए किसी से पैसे नही मांगने पडते। उन्होंनें बताया कि लाडली बहना योजना के तहत मिलने वाली राशि मेरे लिए बहुत ही मददगार साबित हो रही है। लाड़ली बहना योजना के लिए श्रीमती कविता जोगी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा कलेक्ट्रेट के सामने कलेक्ट्रेट रोड सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com